जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, बुधवार 17 सितम्बर, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

सेवा ही संकल्प
हर शहर - हर गांव

माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी जी
के जन्मदिवस से

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

सेवा पखवाड़ा

17 सितम्बर : ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का शुभारम्भ

सेवा पखवाड़ा के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रम

17 सितम्बर
रक्तदान शिविर

18 सितम्बर
स्वनिधि योजना के तहत स्वीकृति / ऋण वितरण

19 सितम्बर
विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना की शुरूआत

20 सितम्बर
निक्षय पोषण किट वितरण

21 सितम्बर
स्वास्थ्य शिविर

22 सितम्बर
वृक्षारोपण / एक पेड़ मां के नाम

23 सितम्बर
स्कूली बच्चों को यूनिफॉर्म के पेटे राशि हस्तान्तरण

24 सितम्बर
150 यूनिट फ्री बिजली हेतु पोर्टल की शुरूआत

25 सितम्बर
सद्भावना केन्द्र हेतु सामग्री संग्रहण एवं वितरण

26 सितम्बर
निर्माण श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं के तहत राशि हस्तान्तरण

27 सितम्बर
पंच गौरव के तहत चिन्हित पर्यटन स्थलों की साफ-सफाई एवं रखरखाव

28 सितम्बर
रोडवेज एवं ग्रामीण परिवहन सेवा की नई बसों की खानगी

29 सितम्बर
पशुपालकों को दूध के पेटे सब्सिडी राशि का भुगतान

30 सितम्बर
दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव के तहत स्वीकृति / राशि हस्तान्तरण

1 अक्टूबर
दिव्यांगजनों को स्कूटी एवं उपकरण वितरण

2 अक्टूबर
स्वच्छता अभियान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

जैसे सूर्योदय के होते ही अंधकार दूर हो जाता है वैसे ही मन की प्रसन्नता से सारी बाधाएँ शांत हो जाती हैं। –अमृतलाल नागर

जलवायु परिवर्तन से बदलता मानसून का पैटर्न: नई चुनौती

इस साल के मानसून के विदा होने का समय आ गया है। भारत में दक्षिण-पश्चिम मानसून जून से सितंबर तक सक्रिय रहता है। सामान्य स्थिति में यह चार महीने लगभग समान रूप से वर्षा प्रदान करता है, परंतु अब इसमें विविध प्रकार के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। राजस्थान, जिसका बड़ा भाग शुष्क है, वहां इस साल हमने भारी बारिश के दौर देखे हैं। दूसरी तरफ देश के उन प्रदेशों में जहां मानसून हमेशा खूब मेहरबान रहता है कम बरसात दर्ज हुई है। इसके अलावा पिछले वर्षों से हम देख रहे हैं कि औसत वर्षा लगभग समान रहने के बावजूद इसका वितरण असमान हो गया है। कुछ सप्ताहों में अत्यधिक वर्षा होती है, जबकि अन्य समय पूर्ण शुष्क रहता है। मानसून के आगमन और वापसी का समय भी अब निश्चित नहीं रहा। कभी यह देर से आता है, कभी जल्दी लौट जाता है। उत्तर भारत के अनेक पहाड़ी हिस्सों में अत्यधिक वर्षा की घटनाएं बढ़ गई हैं। वहां छोटे अंतराल में रिकॉर्ड-तोड़ वर्षा (क्लाउडबर्स्ट, फ्लैश फ्लड्स) के हादसे बढ़ गये हैं। मौसम विज्ञानी भी मानते हैं कि वर्षा के पैटर्न बदल रहे हैं। यह बदलाव भारत में ही नहीं, दुनिया भर में देखे जा रहे हैं।

मानव सभ्यता के विकास में जलवायु ने सदैव एक निर्णायक भूमिका निभाई है। आज जब हम मानसून के बदलते पैटर्न, असमान वर्षा, सूखा और बाढ़ जैसी स्थितियों का सामना कर रहे हैं तो अक्सर इसका कारण मानवजनित जलवायु परिवर्तन माना जाता है। किंतु यदि हम पृथ्वी के दीर्घ इतिहास और प्राकृतिक चक्रों का अध्ययन करें तो यह स्पष्ट होता है कि जलवायु परिवर्तन केवल मानव गतिविधियों का परिणाम नहीं है, बल्कि यह एक प्राकृतिक प्रक्रिया भी है। भूगर्भीय साक्ष्यों के अनुसार, पृथ्वी ने बार-बार जलवायु में बड़े परिवर्तन देखे हैं। हिमयुग और मध्यकालीन ऊष्मा काल जैसे उदाहरण यह सिद्ध करते हैं कि कभी अत्यधिक ठंड और कभी असामान्य गर्मी स्वाभाविक रूप से आती रही है। उस समय न तो उद्योग थे और न ही कार्बन उत्सर्जन की अधिकता, फिर भी जलवायु में व्यापक बदलाव हुए। वैज्ञानिक बताते हैं कि सूर्य की किरणों की तीव्रता और सौर धब्बों का चक्र भी जलवायु पर गहरा प्रभाव डालता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि जब सूर्य की गतिविधि बढ़ती है तो पृथ्वी पर तापमान अधिक होता है और जब यह घटती है तो ठंडक बढ़ जाती है। इसलिये मानसून के उतार-चढ़ाव को भी सूर्य के चक्रों से जोड़ा गया है। यह भी सबको विदित है कि प्रशांत महासागर में होने वाली एल-नीनो और ला-नीना जैसी घटनाएं मानसून को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। एल नीनो के वर्षों में मानसून कमजोर पड़ता है, जबकि ला-नीना से अधिक वर्षा होती है। इनका प्रभाव पूरी तरह प्राकृतिक है और हजारों वर्षों से चलता आ रहा है। ज्वालामुखी विस्फोटों से वातावरण में धूलकण और गैसें फैलती हैं, जिससे वर्षों तक तापमान और वर्षा चक्र प्रभावित रहते हैं। हिमालय जैसे पर्वतों की ऊँचाई और टेक्टोनिक गतिविधियाँ भी मानसून की दिशा और ताकत को बदल सकती हैं। यह सब प्राकृतिक कारक हैं। भारतीय कृषक परंपरा और पंचांग शास्त्र मानसून की भविष्यवाणी खगोलीय घटनाओं और प्राकृतिक संकेतों से करता आया है। यह दर्शाता है कि जलवायु परिवर्तन और मानसून के पैटर्न में बदलाव नई बात नहीं है, बल्कि प्राचीन काल से समाज इसका अनुभव करता रहा है। लेकिन हमें यह भी नहीं भूल जाना चाहिए कि वर्तमान में औद्योगिकीकरण और प्रदूषण ने पर्यावरणीय संकट को और गहरा बना दिया है और यह कहना गलत नहीं होगा कि मानवजनित कारणों ने जलवायु परिवर्तन को गति दी है। जलवायु परिवर्तन की तेज गति का मुख्य कारण मानवजनित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण ग्लोबल वार्मिंग भी शामिल है।

वर्तमान में जो बड़ी समस्या खड़ी हुई है वह है यह है कि वर्षा सब जगह समय पर समान रूप सेहोने के बजाय, कम समय में, अधिक तीव्र रूप से हो रही है। इससे आंकड़ों में किसी क्षेत्र का सालाना औसत तो हो जाता है किन्तु वह कृषि के काम का नहीं होता। इससे कुछ क्षेत्रों में बाढ़ और अन्य क्षेत्रों में सूखा पड़ने के हालात भी बनते हैं। दक्षिण एशिया में मानसून का देर से आना या जल्दी लौट जाना इस परिवर्तन का परिणाम है। बादल फटने, चक्रवात और बेमौसम बारिश की अधिकता भी सामने आ रही है। भारी वर्षा के कारण शहरी क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं। ऐसा राजस्थान के अनेक हिस्सों में इस मानसून में स्पष्ट देखा गया। मौसमी वर्षा में बदलाव के आंकड़े बताते हैं कि कम दिनों में अधिक वर्षा से पानी बह जाता है और भूजल पुनर्भरण कम हो जाता है। हमारी सबसे बड़ी समस्या मौसमी बदलाव के कारण बुवाई और कटाई के चक्र में आ रहे परिवर्तन की हैं जिसका कृषि पर भारी प्रभाव पड़ रहा है। क्योंकि भारत में कृषि अब भी देश की 47 प्रतिशत आबादी के बोझ को उठाये हुए है इसलिए बहुसंख्या में लोगों के जीवन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। सारे अध्ययन बताते हैं कि वर्षा के बदलते स्वरूप का कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण और अक्सर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है, खासकर भारत जैसे देशों में जो मानसून पर बहुत अधिक निर्भर हैं। भारतीय कृषि का 60 प्रतिशत भाग वर्षा पर निर्भर है जो सिंचित नहीं है। फसलें मौसमी होती हैं और समय पर होने वाली वर्षा पर निर्भर करती हैं। मानसून के देर से या जल्दी आना तथा एक मौसम में सूखा और अगले मौसम में बाढ़ जैसी स्थितियों का किसानों को सामना करना पड़ता है। भारी वर्षा से खड़ी फसलों को नुकसान होने से उपज में कमी होती है। राजस्थान और पंजाब के किसानों को इस साल इस प्राकृतिक आपदा का सबसे अधिक सामना करना पड़ा है। भारी वर्षा के कारण मृदा का क्षरण होता है तथा अनियमित मौसम में कीटों का प्रकोप बढ़ जाता है। जैसे 2023 में, मध्य प्रदेश के किसानों को अत्यधिक वर्षा के कारण सोयाबीन का नुकसान हुआ वहीं पंजाब और हरियाणा में बेमौसम प्री-मानसून वर्षा के कारण गेहूँ का नुकसान हुआ। वर्षा के तीव्र लेकिन अल्पकालिक होने से भूजल पुनर्भरण में कमी आती है। वर्षा का पानी बह कर चले जाने से अवशोषण में कमी आती है। सूखे की स्थिति पेयजल और सिंचाई को प्रभावित करती है। शुष्क मौसम में जल की कमी और परिणामस्वरूप भूगर्भ जन का अतिरिक्त दोहन के कारण नई समस्याएं पैदा हो रही हैं। खराब जल निकासी और तीव्र वर्षा के कारण शहरी बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। चेन्नई को 2021 में बाढ़ और 2019 में जल संकट का सामना करना पड़ा – दोनों ही अनियमित वर्षा के कारण हुए।

> **मानसून के व्यवहार में बदलाव का अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ता है। क्योंकि कृषि भारत की 47 प्रतिशत आबादी को रोजगार देती है इसलिये वर्षा के बदले हालात सीधे किसानों की आय को प्रभावित करते हैं। फसलों के खराब होने से खाद्यपदार्थों की कीमतें बढ़ती हैं। किसानों को फसलों के नुकसान के लिए मुआवजे की व्यवस्था करने से राजकोष पर दबाव बढ़ जाता है तथा जीडीपी में उतार-चढ़ाव आता है।**

मानसून के व्यवहार में बदलाव का अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ता है। क्योंकि कृषि भारत की 47 प्रतिशत आबादी को रोजगार देती है इसलिये वर्षा के बदले हालात सीधे किसानों की आय को प्रभावित करते हैं। फसलों के खराब होने से खाद्यपदार्थों की कीमतें बढ़ती हैं। किसानों को फसलों के नुकसान के लिए मुआवजे की व्यवस्था करने से राजकोष पर दबाव बढ़ जाता है तथा जीडीपी में उतार-चढ़ाव आता है। खराब मानसून ग्रामीण इलाकों में मांग और विकास की गति को कम करता है। ग्रामीण भारत में रोज़गार में गिरावट, शहरों की ओर पलायन होता है। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र होते हैं। चावल और कपास जैसी जिंसों के निर्यात बाज़ार पर असर पड़ता है। खराब मानसून के कारण जीडीपी वृद्धि में गिरावट, खाद्य मुद्रास्फीति और ग्रामीण संकट में वृद्धि होती हम पिछले समय में देख चुके हैं।

मौसम वैज्ञानिक कहते हैं कि तापमान और आर्द्रता में परिवर्तन आ रहे हैं। समुद्र सतह और स्थल दोनों के तापमान में वृद्धि ने मानसूनी धाराओं को अधिक अस्थिर बना दिया है। इन परिवर्तनों के पीछे के कारण जानने के लिए विश्व भर में वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे हैं। वे कहते हैं कि समुद्रों के गर्म होने से हवा में नमी बढ़ जाती है, जिससे भारी बारिश होती है। वैश्विक ताप वृद्धि दर्ज हो रही है। पृथ्वी के तापमान में वृद्धि से समुद्र सतह अधिक गर्म हो रहा है, जिससे मानसूनी हवाओं का दबाव-तंत्र असंतुलित हो जाता है। जलवायु मॉडल संकेत करते हैं कि मानवजनित ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के कारण भी मानसून की तीव्रता और वितरण प्रभावित हो रहे हैं। एरोसोल और प्रदूषण भी इसके जिम्मेदार बताए जाते हैं। औद्योगिक इकाइयों और वाहनों से उत्सर्जित कण वातावरण में जाकर बादलों के निर्माण और वर्षा प्रक्रिया को बदल देते हैं। वनों की कटाई और भूमि उपयोग में बदलाव – बड़े पैमाने पर वनों का नष्ट होना और शहरीकरण ने प्राकृतिक जल चक्र को बाधित किया है। आवश्यकता इस बात की है कि जलवायु परिवर्तन को केवल समस्या के रूप में देखने के बजाय इसके चक्र को समझना चाहिए और मानव को उसके अनुरूप अपने को ढालने के उपाय करने चाहिए। इन उपायों में उन मानवजनित कारकों को दूर करना शामिल हैं जो इन परिवर्तनों की गति को बढ़ाते हैं। वैज्ञानिक समझ बताती है कि स्थानीय कारक, जैसे पहाड़ों की व्यावसायिक कटाई, वनों का सफाया और नदियों का अवरुद्ध होना आदि भी वर्षा के पैटर्न में हस्तक्षेप करते हैं पर अंकुश लगाना जरूरी है। अंधाधुंध अनियोजित शहरीकरण भी आग में घी का काम कर रहा है। जैव विविधता पर भी असर पड़ रहा है। इसलिए मानवीय हस्तक्षेप को अनुशासित करने पर नीति निर्माताओं को ध्यान देना होगा।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी : राष्ट्र निर्माण के पथ प्रदर्शक

75वें जन्मदिवस पर राष्ट्रनायक को नमन

भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी का जीवन संघर्ष, आत्मविश्वास, दूरदृष्टि और राष्ट्रसेवा का अद्भुत उदाहरण है। 17 सितम्बर 1950 को गुजरात के वडनगर के एक साधारण परिवार में जन्मे नरेन्द्र मोदी ने अपने जीवन की शुरुआत संघर्षों से की थी। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था के शीर्ष पद तक पहुँचना उनकी असाधारण प्रतिभा और मेहनत का परिणाम है। 17 सितम्बर 2025 को भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी 75 वर्ष के हो रहे हैं। यह केवल किसी नेता का जन्मदिन नहीं है, बल्कि आधुनिक भारत की उस यात्रा का प्रतीक है जिसमें साधारण पृष्ठभूमि से उठकर एक व्यक्ति राष्ट्र के परिवर्तन का सूत्रधार बनता है। नरेन्द्र मोदी का जीवन संघर्ष, कर्मठता, राष्ट्रभावना और दूरदृष्टि का अद्भुत संगम है। यह अवसर केवल एक व्यक्ति के जन्मदिवस का नहीं बल्कि भारत के आत्मविश्वास, विकास और परिवर्तन की गाथा का भी उत्सव है।

संघर्षों से शिखर तक :- नरेन्द्र मोदी का बचपन कठिनाइयों और अभावों में बीता। उनके पिता रेलवे स्टेशन पर चाय बेचते थे, और नरेन्द्र मोदी स्वयं भी किशोरावस्था में इस कार्य में सहयोग करते थे। लेकिन यह कठिनाइयाँ उनके मनोबल को तोड़ने के बजाय निखारने का कारण बनीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर उन्होंने अनुशासन, संगठन और सेवा की संस्कृति सीखी। यह प्रशिक्षण उनके राजनीतिक जीवन में भी दिखता है चाहे संगठन को मजबूत करने की बात हो या जनता से सीधा संवाद बनाने की। बचपन में अभावग्रस्त परिस्थितियों में रहते हुए भी नरेन्द्र मोदी ने स्वयं को शिक्षा और अनुशासन से तराशा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने संगठनात्मक क्षमता विकसित की। इसके बाद उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संगठन में कार्य कर अपनी एक अलग ही पहचान बनाई।

गुजरात मॉडल : एक राज्य से राष्ट्र तक :-भाजपा संगठन में कार्य करते हुए नरेन्द्र मोदी 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने। 13 वर्षों तक उन्होंने गुजरात को विकास की नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। गुजरात के मुख्यमंत्री (2001-2014) की इस अवधि में उन्होंने गुजरात को औद्योगिक, कृषि और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाया। औद्योगिक निवेश के लिए 'वाइब्रेंट गुजरात' सम्मेलनों की शुरुआत की। आधारभूत ढाँचे और बिजली क्षेत्र में गुजरात को देश में अग्रणी बनाया। नर्मदा जल को कच्छ जैसे सूखे इलाकों तक पहुँचाकर कृषि में नई क्रांति लाए। गुजरात का उनका यह विकास मॉडल उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय और विश्वसनीय बनाता गया।

2014 : एक नए युग की शुरुआत :-2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला और नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद उन्होंने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का मंत्र दिया, जिसने शासन को केवल घोषणाओं से निकालकर परिणामों तक पहुँचाने की दिशा दी। 2019 में उन्होंने और भी बड़े बहुमत से चुनाव जीतकर यह साबित किया कि जनता उनके नेतृत्व और कामकाज पर भरोसा करती है। 2024 के चुनावों में वे लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बने और स्वतन्त्र भारत में लगातार निर्वाचित प्रधानमन्त्री बनने का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने आर्थिक क्षेत्र में मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, जीएसटी, मुद्रा योजना जैसे कार्यक्रमों की शुरुआत कराई और सामाजिक क्षेत्र में स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, जनधन खाते जैसी योजनाओं को लागू कराया। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मोदी जी भारतीय सेनाओं का मनोबल बढ़ा कर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक तथा ऑपरेशन सिन्दूर से आतंकवाद के प्रति सख़्त नीति को अपना पूरे विश्व में एक सन्देश दिया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की साख को नए आयाम दिए तथा जी-20 की सफल अध्यक्षता, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक दक्षिण की आवाज़ के रूप में भारत की भूमिका को विश्व मंच पर उभारा।

प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी की प्रमुख पहलें

1. आर्थिक क्षेत्र

मेक इन इंडिया : घरेलू निर्माण और रोजगार को बढ़ावा।

स्टार्टअप इंडिया : युवाओं को नवाचार और उद्यमिता के अवसर।

डिजिटल इंडिया : डिजिटल भुगतान, आधार आधारित सेवाएँ और ग्रामीण इलाकों तक इंटरनेट पहुँच।

जीएसटी : पूरे देश में एक समान कर प्रणाली लागू कर व्यापार को सरल बनाना।

2. सामाजिक क्षेत्र

स्वच्छ भारत मिशन : खुले में शौच से मुक्ति और स्वच्छता को जनआंदोलन बनाना।

उज्ज्वला योजना : गरीब महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन।

जनधन योजना : करोड़ों लोगों के बैंक खाते खोलकर वित्तीय समावेशन।

आयुष्मान भारत : गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा।

3. आधारभूत ढाँचा और आधुनिक भारत

हाईवे, रेल, मेट्रो, बंदरगाह और हवाईअड्डों का तेजी से विस्तार।

नवीकरणीय ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन पर जोर।

गगनयान मिशन और चंद्रयान जैसे अंतरिक्ष अभियानों से भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति की ओर ले जाना।

4. राष्ट्रीय सुरक्षा

सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिन्दूर के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख।

सीमा ढाँचे को मजबूत करना और आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन।

5. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की साख

संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स जैसे मंचों पर भारत की मजबूत उपस्थिति।

वैश्विक दक्षिण की आवाज़ बनने और जलवायु परिवर्तन, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मुद्दों पर भारत का नेतृत्व।

प्रवासी भारतीयों के साथ अभूतपूर्व संवाद और भारतीय संस्कृति को सम्मान दिलाना।

'विकसित भारत-2047 का खाका' : नरेन्द्र मोदी का 75वाँ जन्मदिन ऐसे समय में आ रहा है जब देश 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। उनके नेतृत्व में देश बुनियादी ढाँचे, रक्षा, अंतरिक्ष, डिजिटल तकनीक और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। वे 2047 तक "विकसित भारत" के लक्ष्य के लिए काम कर रहे हैं। इसके तहत हर नागरिक के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य, 'आत्मनिर्भर भारत' से स्थानीय उत्पादन और रोजगार को बढ़ावा, हर गाँव तक 24 घंटे बिजली, इंटरनेट और आधुनिक सुविधाएँ, महिलाओं की भागीदारी को राजनीति, शिक्षा, रक्षा और विज्ञान सभी क्षेत्रों में बढ़ाना। मोदी जी की यह दृष्टि केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को भागीदार बनाने पर आधारित है। उनकी कार्यशैली ने राजनीति में विकास और परिणाम आधारित संस्कृति को गहराई दी है।

प्रेरणा का स्रोत : नरेन्द्र मोदी का जीवन संदेश देता है कि कोई भी व्यक्ति यदि ईमानदारी, परिश्रम और राष्ट्रभावना से काम करे तो वह असंभव को संभव बना सकता है। वे आज केवल राजनेता नहीं बल्कि एक विचार, एक दृष्टि और नए भारत के प्रतीक बन चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिवस पर राष्ट्र उन्हें केवल शुभकामनाएँ ही नहीं देता बल्कि उनके नेतृत्व में विकसित भारत के सपने को साकार करने का संकल्प भी दोहराता है। उनका जीवन भारत के हर युवा को यह प्रेरणा देता है कि साधारण पृष्ठभूमि से भी असाधारण ऊँचाइयाँ हासिल की जा सकती हैं। नरेन्द्र मोदी का 75वाँ जन्मदिवस केवल जन्मोत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सतत प्रक्रिया का प्रेरणादायी पड़ाव है। प्रधानमंत्री मोदी का 75वाँ जन्मदिन केवल उनका व्यक्तिगत उत्सव नहीं, बल्कि देश के सामूहिक आत्मविश्वास और ऊर्जा का उत्सव है। उनके नेतृत्व में भारत ने कोविड-19 जैसे संकटों से निपटा, वैक्सीन निर्माण और वितरण में विश्व का नेतृत्व किया और बड़े पैमाने पर डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में अग्रणी बनकर दिखाया।

नरेन्द्र मोदी की दिनचर्या, कार्यशैली और संवाद कौशल उन्हें विश्व के किसी भी नेता से अलग बनाते हैं। वह सोशल मीडिया और तकनीक का प्रयोग करके लोगों से सीधे जुड़ते हैं और छोटे-से-छोटे कार्यकर्ताओं को भी महत्व देते हैं।

यह जन्मदिन हमें याद दिलाता है कि राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया सतत चलने वाली है और प्रत्येक नागरिक को इसमें योगदान देना होगा। नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर राष्ट्र उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए यह संकल्प दोहराता है कि उनके नेतृत्व में विकसित भारत का सपना साकार होगा। उनका जीवन संघर्ष, संकल्प और सफलता का जीवंत उदाहरण है। वह केवल प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि एक विचारधारा, एक दृष्टि और करोड़ों भारतीयों के आत्मविश्वास के प्रतीक है। उनका जन्मदिवस इस बात का प्रमाण है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है और वह दुनिया के मंच पर नई ऊँचाइयाँ छूने को तैयार है। इस प्रकार नरेन्द्र मोदी का 75वाँ जन्मदिवस एक व्यक्ति के सम्मान का नहीं, बल्कि राष्ट्र की नई चेतना, नई दिशा और नए संकल्प का उत्सव है।

वासुदेव देवनानी
अध्यक्ष, राजस्थान विधानसभा।

शहरी सेवा शिविर-2025 : एक मंच पर आमजन की समस्याओं का समाधान होगा

धर्मिता चौधरी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान प्रगति के पथ पर निरन्तर बढ़ रहा है। आपणो अग्रणी राजस्थान की संकल्पना साकार हो रही है। राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं, अभियान आमजन के चेहरे पर मुस्कुराहट ला रहे हैं। अब 'शहरी सेवा शिविर - 2025' के तहत आमजन की समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण होगा तो यह मुस्कुराहट ओर भी बढ़ जाएगी। 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलाए जाने वाले शहरी सेवा शिविर के तहत आमजन को सुगम ओर त्वरित राहत देने के लिये वार्डवार शिविर लगाकर राहत प्रदान की जाएगी।

ये शिविर शहरी निकायों से जुड़ी आमजन की समस्याओं का एक ही छत के नीचे समाधान करने एवं शहर को सुव्यवस्थित, स्वच्छ, सुंदर बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। जहाँ समस्या निस्तारण से आमजन के चेहरे पर मुस्कुराहट होगी, वहीं शहर भी स्वच्छता अभियान से स्वच्छ-सुंदर होकर निखरते-बदलते स्वरूप में होंगे। इन शिविरों की सबसे बड़ी बात यह है कि यह दो चरणों में आयोजित हो रहे हैं। तैयारी शिविर के तहत आमजन की समस्याओं की चिन्हीकरण किया गया।

4 सितम्बर से 13 सितम्बर तक वार्डवार प्री-कैम्प लगाये गए। आमजन की समस्याओं को सुना गया, समझा गया, चिह्नीकरण किया गया। जिन समस्याओं का मौके पर ही समाधान हो सकता है, उनका मौके पर ही समाधान किया गया। जब जन्म प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र आवेदन करने के मात्र 10-15 मिनट में बन जाए और वर्तमान में सबसे कीमती चीज 'समय' की बचत हो, जिस काम के लिए शिविर में आए और वो काम शीघ्र पूर्ण हो जाए तो जनमानस के चेहरे पर चमक आ जाती है और वह सरकार को धन्यवाद देता है। इन शिविरों का समय भी प्रात: 9:30 बजे से 6 बजे किया गया ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सके।

> **■ 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलाए जायेंगे शहरी सेवा शिविर**

नगर निगम ग्रेटर के जोन कार्यालयों पर लगे वार्डवार प्री-कैम्पों में भागचंद, बाबूलाल, डॉली, रमेश जैसे लाभार्थियों की एक लंबी है, जिनका कार्य इन शिविरों में हुआ और जिन्होंने भजनलाल सरकार को धन्यवाद दिया। इससे यह स्पष्ट होता है कि शहरी सेवा शिविर जनता तक राहत पहुँचाने का सशक्त माध्यम बन चुका है।

अभियान के तहत सफाई व्यवस्था सुधारना, टूटे फेरोकवर व क्रॉस सही करवाना, ब्लैक स्पॉट खत्म करना, स्ट्रीट लाइट लगवाना, सड़कों की मरम्मत, सीवरेज कनेक्शन व मरम्मत, निराश्रित पशुओं को पकड़ना, पार्क, सामुदायिक केंद्रों का रखरखाव, कार्यालय में पेन्डिंग पत्रावलियों का निस्तारण, विभिन्न प्रकार के पट्टे (स्टेट ग्राण्ट, कच्ची बस्ती 69ए, कृषि भूमि) भू-उपयोग परिवर्तन, खांचा भूमि, लीज़ मुक्ति प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जनहित योजनाओं के आवेदन लेना, जन्म-मृत्यु एवं विवाह प्रमाण पत्र जारी करना, मुख्यमंत्री स्व-निधि योजना, पीएम स्ट्रीट वेण्डर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना, स्वनिधि से समृद्धि, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0, प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदन, एसबीएम 2.0 के अन्तर्गत घरेलू शौचालय निर्माण हेतु आवेदन, फायर एनओसी, ट्रेड लाइसेंस जैसे कार्य किये जाएंगे।

आमजन को सेवाएं प्रदत्त करने वाले विभाग जैसे सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, ऊर्जा , सार्वजनिक निर्माण, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, आयोजना जैसे विभागों द्वारा भी आमजन को सेवाऐं प्रदत्त की जाएगी एवं जनसमस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया जायेगा। इसके साथ ही राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की जानकारी शिविर में दी जाएगी। मौके पर ही मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना के तहत भी आवेदन किया जा सकता है। शहरी सेवा शिविर निश्चित रूप से शहरी नागरिकों की कठिनाईयों का निवारण कर जन समस्याओं का समाधान करेंगे, साथ ही शहर भी स्वच्छ और सुंदर होंगे और एक बार फिर आमजन भजनलाल सरकार को चेहरे पर खिली मुस्कुराहट के साथ धन्यवाद देगा।

धर्मिता चौधरी, पीआरओ,
ग्रेटर नगर निगम, जयपुर

जोजरी नदी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया

जोधपुर, (कासं)। सुप्रीम कोर्ट ने जोधपुर की जोजरी नदी में फैक्ट्रियों के केमिकल युक्त जहरीले पानी से पनपे भयावह हालात पर स्वत: संज्ञान लिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मंगलवार को इस मामले पर सुनवाई करते हुए चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि नदी में फैक्ट्रियों से निकलने वाला प्रदूषित पानी और कचरा डाला जा रहा है। इससे अनगिनत गांव प्रभावित हैं। इन गांवों में पीने योग्य पानी भी नहीं बचा है। बेंच ने स्वप्रेरित संज्ञान केस दर्ज कराने का आदेश दिया है। इस मामले को लेकर चीफ जस्टिस के सामने उपयुक्त आदेश पेश किया जाए। इसके बाद चीफ जस्टिस तय करेंगे कि कौन सुनवाई करेगा। जोजरी प्रदेश की मौसमी नदी कहलाती है। पिछले कई सालों से जोधपुर, बालोतरा, जालोर, पाली जिलों की फैक्ट्रियों, खासकर टैक्सटाइल और स्टील रीरोलिंग यूनिट्स से प्रदूषित पानी को जोजरी नदी में छोड़ा जा रहा है। नदी के किनारे बसे 50 से ज्यादा गांव और बस्तियां इससे प्रभावित हैं। लूणी और जोजरी नदी के किनारे बसे गांवों में बारिश के बाद हालात और ज्यादा भयावह हो चुके हैं। हर तरफ काले पानी के तालाब दिखाई दे रहे हैं। पशु-पक्षी तालाब का प्रदूषित पानी पीकर अपनी जान गवां रहे हैं। इससे इन इलाकों में जीव-जंतुओं की संख्या भी लगातार कम हो रही है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 17 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, पुनर्वसु नक्षत्र प्रात: 6:26 तक, परिद्य योग रात्रि 10:25 तक, बव करण दिन 12:01 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज कुमार योग प्रात: 6:26 तक है। राज रात्रि 11:40 से सूर्योदय तक है। आज इन्दिरा एकादशी व्रत, एकादशी का श्राद्ध, विश्वकर्मा पूजा है। संक्रान्ति पुण्यकाल पूर्वान्ह में है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:14 तक, शुभ 10:50 से 12:21 तक, चर 3:24 से 4:55 तक, लाभ 4:55 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:18, सूर्यास्त 6:23

मेष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

कर्क
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

मकर
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 30 संख्याः 48 प्रभात अजमेर, बुधवार 17 सितम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

इंगलैण्ड ने अपना पूरा पिटारा खोल दिया है, राष्ट्रपति ट्रंप को प्रभावित व अभिभूत करने के लिए

ट्रंप, ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स के निमंत्रण पर इंगलैण्ड आये हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। ब्रिटेन अपनी पूरी ताक़त लगाकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने और लुभाने की कोशिश कर रहा है, जो किंग चार्ल्स के निमंत्रण पर राज्य अतिथि के रूप में ब्रिटेन पहुँचे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति को 900 साल पुराने शाही निवास विंडसर कासल में ठहराया जा रहा है।

शुरुआत से ही ब्रिटिश सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति को प्रभावित करने के लिए पूरी कोशिश कर रही थी। निमंत्रण पत्र प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर ने वाइट हाउस में पत्रकारों की मौजूदगी में ट्रंप को दिया और कहा कि यह ब्रिटेन के राजा का पत्र है।

राजा का निमंत्रण सौंपने से लेकर ट्रंप के स्वागत के लिए आयोजित होने वाले रिसैप्शन तक, ब्रिटेन ने ट्रंप को प्रभावित करने में कोई कसर नहीं छोडी है, ताकि व्यापार समझौतों के साथ-साथ दोनों देशों के बीच उस "विशेष रिश्ते" को और मज़बूत किया जा सके, जिस पर इंग्लैंड और अमेरिका हमेशा जोर देते रहे हैं।

द्वितीय विश्व युद्ध के समय प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने इसी रिश्ते का इस्तेमाल करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूज़वेल्ट को सहयोगी देशों का हिस्सा बनने और युद्ध में उतरने के लिए राज़ी करने की कोशिश की थी। हालांकि रूज़वेल्ट बहुत उत्साही नहीं थे और चर्चिल की हर मांग पर सहमत भी नहीं होते थे।

अब, जबकि यूरोप की स्थिति गंभीर होती जा रही है और पश्चिमी यूरोप रूसी सैन्य दबाव महसूस कर रहा है, ब्रिटेन ट्रंप को और सक्रिय भूमिका निभाने के लिए राज़ी करने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा, ब्रिटेन अब वह आर्थिक ताक़त नहीं रहा, जो पहले था और अब अपनी अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए अमेरिका से गहरे रिश्ते बनाना चाहता है।

तथापि, असली बातचीत बाद में होगी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के कंट्री हाउस "द चैकर्स" में जाएँगे। वहाँ व्यापार प्रोटोकॉल और तकनीकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उन्हें निमंत्रण पत्र देने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री वाइट हाउस के "ओवल ऑफिस" खुद गये व प्रैस के सामने चार्ल्स का पत्र उन्होंने ट्रंप को दिया।
- ट्रंप पहली रात, 900 साल पुराने विंडसर कासल में, चार्ल्स के अतिथि के बतौर बितायेंगे।
- वे विंडसर कासल के ग्राउण्ड्स पर उतरेंगे तथा रॉयल बग्घी में सवार होकर कासल के गेट तक जायेंगे।
- सलामी में तोपें दागी जायेंगी तथा बग्घी के आगे ब्रिटेन के हॉर्स गॉर्ड के घुड़सवार चलेंगे तथा पूरे रास्ते, रॉयल बैण्ड, स्कॉटलैण्ड की धुन बजाएगा, क्योंकि ट्रंप का मूल उदय स्कॉटलैण्ड से है।
- विंडसर पैलेस में ब्रिटिश राज्य की पुरानी व अद्भूत कलाकृतियाँ व अन्य खजाने उन्हें दिखाये जायेंगे, जो अधिकतर भारत से चुराकर ले जाये गये हैं।
- इंगलैण्ड में ट्रंप के प्रवास के दौरान, ब्रिटेन आशा कर रहा है कि ट्रंप अच्छे मूड में रहें और कुछ व्यापारिक व वित्तीय समझौते कर लें। ब्रिटेन, अमेरिका से विशेष रिश्तों की दुहाई लगातार देता है।
- पर, इस पूरे प्रयास के बावजूद कुछ बदमज़गी हो सकती है। क्योंकि, हाल ही में ब्रिटेन के राजदूत को बर्खास्त किया गया है, कुछ दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति में।

महेश जोशी जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा

जयपुर, 16 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने जल जीवन मिशन से जुड़े करीब 900 करोड़ रुपए के घोटाले से जुड़े मामले में ईडी को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की खंडपीठ ने ये आदेश महेश जोशी की जमानत याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

जमानत याचिका में अदालत को बताया गया कि प्रकरण में उसे फंसाया गया है। प्रकरण को लेकर एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले उसे गत अप्रैल माह में गिरफ्तार कर लिया गया। याचिका के अनुसार मामले में आरोप पत्र पेश हो चुका है। इसके बावजूद भी हाईकोर्ट ने उसकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया। ऐसे में उसे जमानत का लाभ दिया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ईडी सहित अन्य पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने गत 26 अगस्त को महेश जोशी की जमानत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ ने जमानत याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए चार सप्ताह में जवाब मांगा।

'जो भी भारत से घृणा करते हैं, उन्हें राहुल गांधी में मित्र नज़र आता है'

भाजपा ने पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी द्वारा राहुल गांधी की बढ़ाई पर बहुत तीखी टिप्पणी की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी द्वारा की गई राहुल गांधी की तारीफ़ ने सत्तारूढ़ भाजपा को बुरी तरह नाराज़ कर दिया और उसे विपक्ष के नेता पर हमला करने का एक नया मौका मिल गया।

पाकिस्तानी टीवी चैनल पर भारत-पाकिस्तान एशिया कप मैच, जिसमें रविवार को भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था और बड़ा विवाद खड़ा हो गया था, पर हुई एक चर्चा के दौरान अफरीदी ने कहा कि भाजपा की "बहुत खराब मानसिकता है," जबकि "राहुल गांधी की मानसिकता बहुत पॉजिटिव है।"

अफरीदी ने कहा, गांधी "बातचीत के ज़रिए सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। क्या एक इज़रायल काफ़ी नहीं कि आप दूसरा बनने की कोशिश कर रहे हैं?"

भाजपा, जिस पर पहले से ही भारत-पाकिस्तान को एशिया कप में खेलने की अनुमति देने को लेकर विपक्ष के हमले हो रहे हैं, ने तुरंत ही अफरीदी के वायरल होते बयान का जवाब दिया।

- पाकिस्तान की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी क्रिकेट से रिटायर हो गए हैं, लेकिन, विवादास्पद टिप्पणियाँ करने से रिटायर नहीं हो पा रहे हैं।
- राहुल गांधी की प्रशंसा करते-करते वे नरेन्द्र मोदी को कोसने पर उतर आये और कहा, "क्या एक इज़रायल पर्याप्त नहीं था, जो आप दूसरा इज़रायल बनने की कोशिश कर रहे हैं।"

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने तुरंत राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी को "एक नया फैन मिल गया है, बदनाम पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी!"

भंडारी ने एक्स पर पोस्ट किया, "जब भारत के दुश्मन तारीफ़ करें, तब समझ लो कांग्रेस भारत-विरोधी और पाकिस्तान-समर्थक पार्टी है।"

शाहिद अफरीदी भले ही क्रिकेट से संन्यास ले चुके हों, लेकिन विवादित बयान देने से उन्होंने कभी संन्यास नहीं लिया।

पाकिस्तान के समा टीवी पर हाल ही में अफरीदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ़ करते हुए उन्हें "पॉजिटिव माइंडसैट" और बातचीत करने वाला नेता बताया, जबकि, इसी दौरान उन्होंने मोदी सरकार पर धर्म का राजनीतिक इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

भारत के विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन, भाजपा ने इस मौके को हाथ से जाने नहीं दिया। उसके राष्ट्रीय प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने कहा, "हर वो व्यक्ति जो भारत से नफ़रत करता है, उसे राहुल गांधी में एक साथी मिलता है," जबकि आईटी सैल प्रमुख अमित मालवीय ने अफरीदी को "कट्टर हिंदू-विरोधी" कहा।

हालांकि, अफरीदी के लिए यह सब नया नहीं है, सुर्खियाँ, हैशटैग, नाराज़गी और फिर वही सिलसिला।

ये वही अफरीदी हैं, जिन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान के प्र.मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप से मिलेंगे 25 सितंबर को

यह मुलाकात, संभवतया यू.एन. की जनरल एसेम्बली के सैशन के दौरान होगी, जिसमें सेनाध्यक्ष मुनीर भी शामिल होंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 सितम्बर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़, पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ अगले हफ़्ते अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मुलाक़ात करेंगे। सूत्रों ने पाकिस्तान के चैनल "खैबर न्यूज़" के हवाले से बताया कि दोनों पाकिस्तानी नेताओं की यह बैठक 25 सितम्बर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के इतर होगी।

रिपोर्ट के अनुसार, बैठक के एजेंडा में पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ से लेकर क़तर पर इज़रायल के हमले के असर जैसे मुद्दे शामिल होंगे। रिपोर्ट में कहा गया कि नई दिल्ली-इस्लामाबाद के बीच बढ़ते तनाव जैसे कई मुद्दों पर भी बात हो सकती है।

हालाँकि अभी तक इंटर-सर्विसेज़ पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) या वॉशिंगटन स्थित पाकिस्तान दूतावास की ओर से इस दौरे के बारे में आधिकारिक रुप से कुछ भी नहीं कहा गया है। लेकिन यह खबर आसिम मुनीर की लगातार दो वॉशिंगटन यात्राओं के बाद आई है।

कई वर्षों की कूटनीतिक दूरी के बाद, अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में उस समय गर्माहट आई, जब जून में ट्रंप ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर का वाइट हाउस में स्वागत किया और उनके साथ व्यापार, आर्थिक विकास तथा क्रिप्टोकरेंसी पर चर्चा की। इसके कुछ ही दिन बाद, जुलाई में ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान के साथ व्यापार समझौते की घोषणा की और कहा कि वॉशिंगटन, इस्लामाबाद को उसके "विशाल तेल भंडार" विकसित करने में मदद करेगा।

भारत-पाकिस्तान के बीच मई में हुए सैन्य टकराव के दौरान, इस्लामाबाद ने ट्रंप को कथित शांति मध्यस्थता का श्रेय दिया, जिसके बाद दोनों देशों के रिश्तों में और नरमी आई। ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने दोनों परमाणु संपन्न एशियाई पड़ोसियों के बीच युद्धविराम कराने में भूमिका निभाई, जिसमें उन्होंने दोनों देशों पर व्यापार और टैरिफ़ को लेकर दबाव बनाया। ज्ञातव्य है कि भारत ने इस दावे को सख़्ती से नकार दिया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- मुलाकात में पाकिस्तान और अमेरिका अन्य विषयों के अलावा, भारत-पाक के राजनयिक व कुटनीतिक संबंधों पर भी चर्चा करेंगे।
- काफी समय से अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में कुछ ठंड पड़ गई थी। पर, अब, ट्रंप की दूसरी पारी में संबंधों में नज़दीकी व "वॉर्म्थ" (गर्मजोशी) लौटी है।

हनुमान बेनीवाल का सरकारी आवास खाली कराने पर रोक

जयपुर, 16 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल को संपदा अधिकारी न्यायालय की ओर से विधायक कोटे में आवंटित किए गए आवास को खाली कराने के लिए दिए नोटिस की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में राज्य सरकार और संपदा अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट व मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने राज्य सरकार को अपने जवाब के साथ ही समान प्रकृति से जुड़े अन्य प्रकरणों की जानकारी भी पेश करने को कहा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश हनुमान बेनीवाल की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता सुमित्रा चौधरी ने बताया कि याचिकाकर्ता वर्तमान में सांसद है और देश का जाना माना राजनेता है। उसे जयपुर में आवास आवंटित किया गया था।

- हाई कोर्ट ने राज्य सरकार, सम्पदा अधिकारी, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को नोटिस जारी किया।

भारतीय वायुसेना की सफलता को स्वीकार किया जैश-ए-मोहम्मद ने

जैश-ए-मोहमद के कमाण्डर मसूद इलयास कश्मीरी ने स्वीकार किया और मसूद अज़हर के वक्तव्य को जारी कर इसकी पुष्टि की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16, सितंबर। जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी को यह कहते हुए सुना गया कि भारतीय सेना ने किस तरह उनके गुप्त ठिकानों में घुसकर हमला किया।

भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में "ऑपरेशन सिंदूर" के अन्तर्गत कई आतंकी ठिकाने तबाह किए जाने के महीनों बाद, जैश के इस कमांडर ने स्वीकार किया है कि बहावलपुर में हुये भारतीय हमले में संगठन के शीर्ष सरगना मौलाना मसूद अज़हर का परिवार "चिथड़े-चिथड़े हो गया।"

इंटरनेट पर वायरल एक वीडियो में मसूद इलियास कश्मीरी यह बताते नज़र आते हैं कि भारतीय सेना उनके ठिकानों तक कैसे पहुँची और उन पर हमला किया।

मसूद इलियास कश्मीरी ने उर्दू में कहा, "आतंकवाद को अपनाकर हमने दिल्ली, काबुल और कंधार से इस मुल्क की सरहदें बचाने के लिए लड़ाई लड़ी। सब कुछ कुर्बान करने के बाद, 7 मई को बहावलपुर में मौलाना मसूद अज़हर का परिवार भारतीय फौजों द्वारा तार-तार कर दिया गया।" वीडियो में कश्मीरी के पीछे कई हथियारबंद सुरक्षाकर्मी खड़े दिखाई दे रहे थे।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 नागरिकों के मारे जाने के कुछ हफ़्तों बाद, भारतीय सेना ने "ऑपरेशन सिंदूर" के अन्तर्गत, पाकिस्तान और पीओके में एक साथ रातभर अभियान चलाकर जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सुदूर ठिकानों पर हमला किया। पाकिस्तान ने बाद में स्वीकार किया कि नौ ठिकानों पर हमले हुए, जिनमें बहावलपुर, कोटली और मुरिदके के स्थान शामिल थे, ये सभी कट्टरपंथी गतिविधियों के गढ़ माने जाते हैं।

पाकिस्तान का 12वाँ सबसे बड़ा शहर बहावलपुर इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि यह जैश का मुख्य केन्द्र है। लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित इस शहर की जामिया मस्जिद सुब्हान अल्लाह (उस्मान-ओ-अली कैंपस) में जैश का मुख्यालय संचालित होता है।

जैश-ए-मोहम्मद की स्थापना 2000 के शुरुआती वर्षों में तब हुई थी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दूसरी ओर पाकिस्तानी राजनीतिज्ञ बिलावल भुट्टो ज़रदारी, अभी भी अधिकृत रूप से कह रहे हैं कि इस्लामाबाद अभी इस बात से अनभिज्ञ है कि मसूद अज़हर पाकिस्तान में हैं, और पाकिस्तान जरूर गिरफ्तार कर लेगा, अगर भारत इसकी पुख्ता जानकारी दे।
- मसूद इलियास कश्मीरी के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद ने आतंकवाद को गले लगाया तथा दिल्ली, काबुल व कंधार में बहादुरी से लड़े, पाकिस्तान की सीमाओं को सुरक्षित रखने के लिए सभी तरह के बलिदान दिये। पर, 7 मई को भारतीय सेना ने बहावलपुर पर आक्रमण कर मसूद अज़हर के परिवार के दस सदस्यों को खत्म कर दिया।

सलुम्बर में दूषित दाल खाने से 39 छात्र बीमार

उदयपुर, 16 सितम्बर (कासं)। सलूम्बर जिले के कूण गांव में स्थित सरकारी विद्यालय में दाल, चावल खाने से 39 छात्र बीमार हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सरकारी चिकित्सिालय में भर्ती करवाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार सवेरे सलूम्बर जिले के कूण गांव में स्थित राजकीय उच्च प्रा. विद्यालय डाईखेड़ा कूण विद्यालय में छात्रों के लिए दाल- चावल का वितरण किया गया, जिसको खाने के कुछ समय बाद स्कूल के छात्रों की तबीयत खराब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सभी बीमार छात्रों को सीएचसी लसाड़िया में भर्ती कराया गया। अब उनकी हालत ठीक बताई जा रही है।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया डेढ़ साल की चुप्पी के बाद, ग्वालियर पर आधिपत्य दिखाने लौटे

जनता, राजनीतिज्ञों व नेताओं ने पलक-पावणे बिछा दिये, उनके स्वागत में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16, सितंबर। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कलेक्ट्रेट शो विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के क्षेत्र मुरैना में हुए एक भव्य स्वागत समारोह के कुछ ही दिनों बाद हुआ। इसके बाद दोनों के बीच प्रतिद्वन्द्विता खुलकर सामने आ गई है।

ग्वालियर कलैक्ट्रेट में सोमवार को विकास कार्यों की एक नीरस समीक्षा होनी थी, लेकिन यह एक गर्मागरम राजनीतिक नाटक में बदल गई। इस शो के स्टार केन्द्रीय मंत्री ज्योदिरादित्य सिंधिया, जो डेढ़ साल की खामोशी के बाद यहाँ आए, ने ग्वालियर शहर की राजनीतिक में उबाल ला दिया।

कागज़ों पर बैठक की अध्यक्षता प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट कर रहे थे, लेकिन सबको यह नज़र आ गया कि सुर्खियाँ किसने बटोरीं। मंच पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, कांग्रेस राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, महापौर शोभा सिकरवार और कांग्रेस विधायक सुरेश राजे मौजूद थे। मगर ग्वालियर के भाजपा सांसद भरत सिंह कुशवाह की खाली कुर्सी ने सबका ध्यान खींच लिया।

सिंधिया की वापसी कोई आकस्मिक बात नहीं थी। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री और भाजपा हाईकमान ने उन्हें साफ़ संदेश दिया है कि वे ग्वालियर-चंबल इलाके में फिर से पकड़ मजबूत करें, जो कभी उनका अजेय गढ़ माना जाता था। इससे पहले वो तब पीछे हटे थे, जब भरत सिंह कुशवाह ने खुलेआम उनकी उपस्थिति पर आपत्ति जताते हुए कहा था, "वे गुना-शिवपुरी के सांसद हैं, ग्वालियर के नहीं।" उस झटके ने सिंधिया को पीछे कर दिया था। लेकिन अब वे लौट आए हैं।

पिछले कई हफ़्तों से ग्वालियर की टूटी सड़कों और गंदगी भरे नालों की खबरें सुर्खियों में रही हैं। सबसे तीखी आवाज़ सिंधिया के करीबी, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की रही, जिन्होंने कैबिनेट बैठक में कहा, "ग्वालियर नरक बन गया है।" मुख्यमंत्री ने उन्हें चुप कराने की कोशिश की, तो उन्होंने दोबारा वही बात दोहराई। प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट ने भी उनका समर्थन किया।

सिंधिया का यह कलेक्ट्रेट शो, मुरैना, जो विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर का गढ़ है, में हुए भव्य स्वागत के कुछ ही दिन बाद हुआ। इसके बाद दोनों नेताओं की टक्कर अब खुलकर सामने आ गई है। नरेन्द्र तोमर का स्थानीय राजनीति पर नियंत्रण है, मगर कृषि मंत्री एडाल सिंह कसाना अब उनके साथ पूरी तरह नहीं दिख रहे। वहीं, उनके करीबी भरत सिंह कुशवाह भोपाल में शांत बैठे नज़र आ रहे हैं और मुख्यमंत्री की निगाहें उन पर हैं।

सोमवार की बैठक का संदेश स्पष्ट था, ग्वालियर में भाजपा अब दो खेमों में बँट गई है। तीन दिन पहले ही सांसद भरत सिंह कुशवाह ने विकास कार्यों की समीक्षा की थी। सोमवार को सिंधिया अपने समर्थकों के साथ कलैक्ट्रेट पहुँचे और उन्हीं कामों की समीक्षा की, लेकिन इस दौरान सांसद कुशवाह उपस्थित नहीं थे। यह सिंधिया की पहली कलेक्ट्रेट बैठक थी बतौर भाजपा सांसद, और उन्होंने इसे स्वीकार किया। उनके समर्थक खुश होकर फुसफुसा रहे थे कि "महाराज युग" लौट रहा है, जब कांग्रेस के दिनों में ग्वालियर में बिना उनकी हामी के कुछ नहीं होता था।

नरेन्द्र तोमर सार्वजनिक मंचों पर सिंधिया के ढोल पीटते रहे हैं। मुरार गर्ल्स कॉलेज में उन्होंने कहा, "महाराज, ग्वालियर का विकास पहिया रुक गया है, केवल आप ही इसे आगे बढ़ा सकते हैं।" इसके तुरंत बाद सिंधिया समर्थक विधायक मोहन सिंह राठौर ने सरकार की जल जीवन मिशन योजना को आड़े हाथों लिया और कहा कि उनके क्षेत्र में एक भी परियोजना नहीं पहुँची। तोमर ने ग्वालियर को "नरक" कहा। सिंधिया ने चार दिन का दौरा किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पर, यह सब कुछ, राजनीतिक संग्राम की तैयारी लग रही है। क्योंकि, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, ग्वालियर को अब अपना क्षेत्र मानने लगे थे।
- ऐसा कहा जा रहा है कि सिंधिया के ग्वालियर पर काबिज होने के इस प्रयास को भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व व मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का समर्थन प्राप्त है।

राजेश्वर सिंह राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त

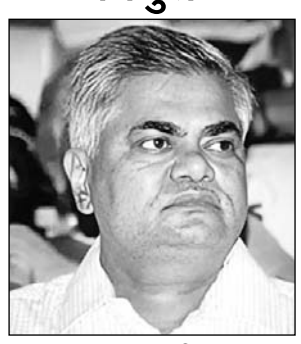

राजेश्वर सिंह

जयपुर, 16 सितम्बर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को एक आदेश जारी कर भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत अधिकारी राजेश्वर सिंह को राज्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्ति प्रदान की है। गौरतलब है कि वर्ष 1989 बैच के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बायोमेट्रिक अटेंडेंस और एआई की मदद से दो डमी कैंडिडेट्स को पकड़ा

दोनों बीकानेर में कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा देने आए थे, पुलिस ने की कार्रवाई

बीकानेर, (निसं)। यहां बायोमेट्रिक अटेंडेंस और एआई की मदद से पुलिस ने दो डमी कैंडिडेट्स को पकड़ा हैं। दोनों बीकानेर में कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा देने आए थे। जैसे ही दोनों ने एग्जाम में बैठने के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगाई तो पूरा मामला सामने आ गया। मामला सदर थाना इलाके का है। खुद एसएचओ ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। एक आरोपी बुआ के लड़के के लिए डमी कैंडिडेट बना था वहीं दूसरे ने 2 बार डमी बन प्री डीएलएड का एग्जाम दिया था।

- **एक आरोपी बुआ के लड़के के लिए डमी कैंडिडेट बना था, दूसरे ने दो बार डमी बन प्री डीएलएड का एग्जाम दिया था**

सदर थानाधिकारी दिगपाल सिंह ने बताया कि मामले में धौलपुर के अनिरुद्ध गुर्जर पुत्र साहब सिंह निवासी गांव बड़ा और सौरभ कुमार पुत्र मुकेश कुमार गुर्जर निवासी सामलियापुरा तहसील राजाखेड़ा धौलपुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। दिगपाल सिंह ने बताया कि दोनों पर 30 जून 2025 को आयोजित प्री डीएलएड एग्जाम में डमी कैंडिडेट के रूप में बैठने का आरोप है। इसमें अनिरुद्ध गुर्जर ने राजकीय महारानी गर्ल्स सीनियर सैकंडरी स्कूल एग्जाम दिया था। पुलिस को इस पर शक हुआ तो इसका बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन करवाया गया, तब कॉन्स्टेबल एग्जाम में उसका रिकार्ड सही पाया गया।

सदर थानाधिकारी दिगपाल सिंह ने बताया कि डेटा का विश्लेषण करने पर पता चला कि इसी केंडिडेट ने 30 जून को आयोजित प्री डीएलएड एग्जाम में अपने बुआ के लड़के अजय कसाना के स्थान पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुराना हॉस्पिटल में एग्जाम दिया था। दिगपाल सिंह ने बताया कि वहीं सौरभ गुर्जर ने जूनागढ़ के पास स्थित सेंट पब्लिक सीनियर सैकंडरी स्कूल में एग्जाम दिया था। सौरभ गुर्जर पर भी पुलिस को शक था। ऐसे में इसी स्कूल में एग्जाम के बाद उसे रोककर पूछताछ की गई। करीब 1 घंटे की पूछताछ के बाद उसका कॉन्स्टेबल एग्जाम का रिकॉर्ड सही पाया गया।

सदर थानाधिकारी दिगपाल सिंह ने बताया कि बायोमेट्रिक रिकार्ड से पता चला कि इसी रिकार्ड यानी फिंगर प्रिंट और अन्य शारीरिक निशानियों वाले कैंडिडेट ने प्री डीएलएड एग्जाम में दयाराम नाम से एग्जाम दिया था। इसके बाद एक जून 2025 को शैलेंद्र नाम के एक अन्य नाम से भी डमी एग्जाम दिया। इस स्टूडेंट पर दो बार डमी के रूप में बैठने का आरोप है।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा : महिला मित्र के स्थान पर पेपर दे चुकी डमी युवती गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अलवर में आयोजित पुलिस कांस्टेबल परीक्षा के दौरान पूर्व में एक महिला मित्र के स्थान पर पेपर दे चुकी एक डमी युवती को गिरफ्तार किया है। सुधीर चौधरी पुलिस अधीक्षक अलवर ने जानकारी देते हुऐ बताया कि पुलिस कांस्टेबल-2025 परीक्षा 14 सितंबर को जिले में आयोजित हुई थी। पुलिस कन्ट्रोल रूम से सूचना प्राप्त हुई कि परीक्षा केन्द्र पर एक परीक्षार्थी का बायोमेट्रिक फिंगर प्रिंट मिस मैच हुआ है। उक्त सूचना पर दिनेष पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना एनईबी मय जाब्ता के रवाना होकर परीक्षा केन्द्र पहुंचे, जहां केन्द्राधीक्षक ने बताया कि उक्त परीक्षा में परीक्षा दे रही अभ्यर्थी पिंकी गुर्जर पुत्री बहादुर सिंह, निवासी खरगपुर, तहसील सैपऊ पुलिस थाना कोलारी जिला धौलपुर का फिंगर प्रिन्ट बायोमैट्रिक का डाटा मिस मैच हुआ है।

- **परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थी का बायोमेट्रिक फिंगर प्रिंट मिस मैच हुआ था**

संदिग्ध अभ्यर्थीया कुमारी पिंकी गुर्जर एवं उसके साथ मौजूद उसका भाई ऋषिकेश को महिला कानि. की मौजूदगी में उक्त अभ्यर्थीया कुमारी पिंकी गुर्जर से फिंगर प्रिन्ट मिस मैच होने के सम्बन्ध में पूछताछ की गई तो उसने बताया कि माह मई/जून 2025 में मैंने मेरी दोस्त आयुषी पुत्री रामधार सिंह निवासी मनिया जिला धौलपुर की जगह प्री बीएसटीसी/डी.एल.ई.डी की परीक्षा दी थी। जिसका परीक्षा केन्द्र धौलपुर में आया था, वहां मेरे फिंगर प्रिन्ट लिये थे। प्री बीएसटीसी रिजल्ट में आयुषी पास हो गई। 14 सितम्बर को ज्ञानदीप विद्यापीठ माध्यमिक विद्यालय दाउदपुर अलवर में मेरे द्वारा कानिस्टेबल भर्ती की द्वितीय पारी में परीक्षा दी गई थी। जिसमें प्रवेश के समय मेरे फिंगर प्रिन्ट लिये गये थे। इस प्रकार उक्त अभ्यर्थिया कुमारी पिंकी गुर्जर द्वारा पूर्व में अन्य परीक्षार्थी के स्थान पर बैठकर परीक्षा देना, धोखाधड़ी एवं छल करने का कृत्य पाया जाने पर उक्त घटना स्थल पुलिस थाना कोतवाली धौलपुर का होने पर जीरो नम्बरी एफआईआर दर्ज कर पुलिस थाना कोतवाली जिला धौलपुर भिजवाया गया।

जवाई नदी के तीव्र वेग से बहते पानी में बस चलाई

सायला, (निसं)। सायला पुलिस थाना क्षेत्र के तुरा गांव में जवाई नदी के तीव्र वेग से बहते पानी में लापरवाहीपूर्वक बस चलाकर मानव जीवन को संकट में डालने पर पुलिस ने बस चालक के विरूद्ध कार्यवाही की है।

पुलिस के अनुसार सोमवार को तुरा नदी की रपट में एक सवारियों से भरी बस को चालक ने

- **बहते पानी में लापरवाहीपूर्वक बस चलाकर मानव जीवन को संकट में डालने पर बस चालक के विरूद्ध पुलिस ने कार्रवाई की, मामला दर्ज**

लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए बस को नदी बहाव में उतारा, जिससे बस पानी में बह गई, जिसकी सूचना मिलने पर हेड कांस्टेबल भंवरलाल मय जाब्ता को मौके पर पहुंचे तो पाया गया कि एक मिनी बस जो सुन्धामाता से ग्रामीण रास्तों से सायला आ रही थी, जिसमें सवारियां भरी हुई थी, जिसके चालक फुसाराम पुत्र करनाराम जाति मेघवाल निवासी रेवतडा पुलिस थाना सायला ने बस को जानबूझकर तेजगति व लापरवाहीपूर्वक नदी के तीव्र वेग से चलते पानी में ले जाकर बस में भरी सवारियों व स्वयं के जीवन को संकट में डाल दिया। बस पानी के बहाव के साथ बह जाने से सवारियों ने बड़ी मुश्किल से अपना बचाव किया। बस चालक की लापरवाही से बस में भरी सवारियों व चालक स्वयं की जान जा सकती थी, जिस पर बस चालक फुसाराम के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया।

ट्रेन से कटकर महिला की मौत

सीकर, (निसं)। सीकर के उद्योग नगर थाना इलाके में ट्रेन से कटकर महिला की मौत हो गई। महिला अपने पीहर भेहरों की ढाणी आई हुई थी, जहां से करीब 200-300 मीटर दूर यह घटना हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। उद्योग नगर पुलिस थाने के हेड कांस्टेबल मदनलाल के अनुसार महिला रेलवे ट्रैक के पास से गुजर रही थी। इसी दौरान दाहिने साइड से उसका शरीर ट्रेन से टकराया, जिससे उसको कई जगह गंभीर चोट आई और उसकी मौत हो गई। हैड कांस्टेबल मदनलाल ने बताया कि मंगलवार सुबह थाने पर सूचना मिली कि दासा की ढाणी फाटक के पास एक महिला ट्रेन से कट गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जहां से शव को पोस्टमार्टम के लिए सीकर के एसके हॉस्पिटल की मोर्चरी में लाया गया। हेड कॉन्स्टेबल ने बताया कि महिला का नाम गुलाबीदेवी (45) पत्नी मनोहर है, जो मूल रूप से रानोली थाना इलाके के शेरपुरा गांव की रहने वाली है। महिला के 6 बच्चे जिनमें 4 लड़की और 2 लड़कें हैं।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR

No.NIT/2025-26/19397-410 **निविदा सूचना /2025-26** Date:15.09.2025

निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	कार्य की कुल अनुमानित लागत (रू.)	निविदा सूचना संख्या
Interior Acoustical Designing and Furnishing of Conference Hall and Auditorium with SITC of VC and Audio Video System at Bar Council Building in RHC, Jodhpur. UBN: RRC2526WSOB00663	249.60 Lakh	अल्पकालीन ई-354/ 25-26
Providing and Erection a Road Restraint System-Single Roller System Barrier at 1.Udaipur-Salumber Road 2. Banswara-Ratlam Road 3.Pali -Nadol Gomati Ka Chauraha Road. UBN: RRC2526WSOB00661	394.50 Lakh	ई-356/ 25-26

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। महाप्रबंधक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
सा0 नि0 वि0 खण्ड राजसमन्द जिला राजसमन्द राजस्थान

क्रमांक : टी.एस. / निविदा/ राजसमन्द / 2025-26/928 दिनांक :- 08.09.2025

निविदा सूचना संख्या 13/2025-26
NIB CODE:- PWD2526A3138

सड़क निमार्ण कार्य हेतु ईच्छुक संवेदको से निविदा दिनांक 26.09.2025 सायं 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा के सम्बन्ध में अन्य विवरण उपापन वेबसाईट ("http://www.eproc.rajasthan.gov.in और http://www.sppp.rajasthan.gov.in) पर देखा जा सकता है। उपापन की कुल अनुमानित राशि 238.04 लाख रुपया है।

S. No. of Work	UBN No	S. No. of Work	UBN No
1	PWD2526WSOB11721	2	PWD2526WSOB11722

DIPR/C/13337/2025 अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड राजसमन्द

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य, धौलपुर

महिला पुलिस थाने के पास हाउसिंग बोर्ड, पुरानी छावनी, धौलपुर पिन कोड़ 328001
Email ID:-dcfwl.ncs.forest@gmail.com

क्रमांकः एफ ()/ उवसं/वजीधौ. / राचघअ./2025-26/2383 दिनांकः- 8/9/25

Notice Inviting Bid

Bid for providing Construction of Choki with solar pump at Forest Block of Wildlife Range Saramthura of DCF WL NCS Dholpur are invited from interested bidders upto 11:00 AM, 19.09.2025, other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in of the state. The approximate value of the procurement is 40.00 lakhs.

UBN No. FOR2526WSOB01823

(डा. आशीष व्यास) उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घडियाल अभ्यारण्य धौलपुर

DIPR/C/13331/2025

WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, WATER RESOURCES, DIVISION JALORE
NIB NO. 07/2025-26

Notice inviting Bid for Rehabilitation of Bithan Dam & Canal System District Jalore Amounting to Rs. 217.80 Lacs in the State of Rajasthan India invited from interested bidders Date of online downloading and uploading of tender documents from 04.09.2025 to 25.09.2025 upto 06.00 PM. Bid will be opened on 26.09.2025 at 05:00 PM. Other particulars of the Bid may be visited on the htt://sppp.raj.nic.in and http://eproc.rajasthan.gov.in of the states and WRD website.

NIB No. WRD 2526A0394
UBN No. WRD 2526 W50800936
DIPR/C/13143/2025

Excutive Engineer
Water Resources Division, Jalore

ग्राम विकास अधिकारी छह हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर/अजमेर/ब्यावर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्पेशल यूनिट अजमेर टीम ने मंगलवार को ब्यावर में कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत सरमालिया जिला ब्यावर के ग्राम विकास अधिकारी अखिलेश कुमार को परिवादी से छह रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी स्पेशल यूनिट अजमेर को परिवादी ने शिकायत दी कि उसकी ग्राम पंचायत सरमालिया में की-मैन के पद पर नियुक्ति होने से उसके माह जुलाई-अगस्त 2025 का प्रतिमाह 12 हजार

आरोपी ग्राम विकास अधिकारी

रुपये के हिसाब से 24 हजार रुपये का वेतन जमा कराये जाने पर ग्राम विकास अधिकारी अखिलेश कुमार की ओर से परिवादी से प्रतिमाह 3 हजार रुपये के हिसाब से 2 माह के वेतन के बदले मे 6 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है, जिस पर एसीबी चौकी स्पेशल टीम अजमेर की प्रभारी और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना भाटी के निर्देशन में रिश्वत मांग का सत्यापन करवाया गया तो ग्राम विकास अधिकारी अखिलेश कुमार की ओर से छह हजार रुपये रिश्वत की मांग किया जाना पाया गया। जिस पर एसीबी की टीम ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए ग्राम विकास अधिकारी अखिलेश कुमार को छह हजार की रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया।

रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर एसीबी टीम ने सागवाड़ा उपखंड क्षेत्र के गामडा ब्रामणिया पटवारी हेमंत बुनकर को पांच हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।डूंगरपुर जिले के एसीबी चौकी के प्रभारी रतनसिंह राजपुरोहित ने बताया कि परिवादी ने 27 अगस्त को चौकी में एक शिकायत दी थी। रिपोर्ट में बताया कि परिवादी की गांव गामडा ब्रामणिया में पैतृक जमीन, पटवार हल्का गामडा ब्रामणिया में स्थित है। उक्त जमीन में उसकी बहन का राजस्व रिकॉर्ड मे संयुक्त नाम है। परिवादी की बहन का संयुक्त रिकॉर्ड से नाम निकालकर परिवादी व उसकी मां के नाम नामांतरण खोलने की एवज में पटवारी हेमंत बुनकर रिश्वत की मांग कर रहा है, जिस पर एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन करवाया।

सरपंच और दलाल 12 हजार की रिश्वत लेते ट्रेप

जयपुर/बारां, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की बारां टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत खेड़ला जागीर तहसील छीपाबड़ौद के सूरजमल मालव सरपंच (प्रशासक) उसके (दलाल) रामकल्याण मेघवाल को परिवादी से उसके भतीजों का नाम राशन कार्ड में सही करवाने एवं स्वयं के नाम स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना की तीसरी किश्त (60 हजार) परिवादी के खाते में जमा करवाने की एवज में 12 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी बारां टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके भतीजों का नाम राशन कार्ड में सही करवाने एवं स्वयं के नाम स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना की तीसरी किश्त (60 हजार) परिवादी के खाते में जमा करवाने की एवज में सरपंच (प्रशासक) सूरजमल मालव 12 हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर रहा है। जिस पर एसीबी की टीम ने रिश्वत मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया, जिसमें सरपंच की ओर से 12 हजार रुपये की रिश्वत की मांग करना पाया गया। जिस पर एसीबी बारां टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालूराम वर्मा के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए सरपंच सूरजमल मालव एवं उसके दलाल रामकल्याण मेघवाल को 12 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय) रणथम्भौर टाईगर रिजर्व करौली

Mail ID-dcfb.kroli.forest@rajasthan.gov.in, Phone No. 07464-297007

इस कार्यालय द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्या 06/2025-26 दिनांक 08.09.2025 एवं ई-निविदा सूचना संख्या 07/2025-26 दिनांक 09.09.2025 द्वारा निविदा आमंत्रित की गई है। अतः इच्छुक बोलीदाता पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.e-proc.rajasthan.gov.in देख कर ऑनलाईन निविदाओं को डाउनलोड कर निविदाओं में भाग ले सकते है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	UBN No.	लागत लाखों में	जारी दिनांक	जमा व खोलने की दिनांक
1	रेंज कैलादेवी अन्तर्गत नाका मरमदा में चारागाह विकास (क्लोजर) 6 है. कार्य	UBN No. FOR2526 WSOB01843	15.93	09.09.2026	18.09.2025
2	Construction of Anicut at Jogpura ke Pass Range Nainiyaki Tpye III	UBN No. FOR2526 WSOB01850	6.44	09.09.2026	18.09.2025

(पीयूष कुमार शर्मा) उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय), रणथम्भौर टाईगर रिजर्व, करौली

DIPR/C/13486/2024

संगरिया में व्यापारी विकास जैन की गोली मारकर हत्या का खुलासा

हनुमानगढ़, (निसं)। संगरिया में दिनदहाड़े व्यापारी विकास जैन (48) की गोली मारकर हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले बाइक सवार दोनों मुख्य आरोपियों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शार्प शूटर है। गिरफ्तार एक अन्य आरोपी पंचकुला के सोनू माल्टा हत्याकांड में वांछित है। आरोपियों में शामिल एक आरोपी ने आपराधिक गैंग से फंडिंग प्राप्त की, साथ ही मुख्य आरोपियों को वाहन उपलब्ध करवाया था।

- **लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शार्प शूटर समेत चार आरोपी गिरफ्तार, एक पंचकूला हत्याकांड में वांछित है**
- **आरोपियों में शामिल एक आरोपी ने आपराधिक गैंग से फंडिंग प्राप्त की, साथ ही मुख्य आरोपियों को वाहन उपलब्ध करवाया था**

बीकानेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक हेमंत शर्मा ने मंगलवार को बताया कि 12 सितम्बर को नरेश कुमार पुत्र ईश्वर दास अरोड़ा निवासी संगरिया ने संगरिया थाने में रिपोर्ट दी, जिसमें बताया कि उसके पास धानमंडी संगरिया में किराए की दुकान है। दुकान पर वह व उसका पार्टनर विकास जैन बैठता था। 12 सितम्बर की दोपहर करीब दो बजे के आसपास उसने अपने पार्टनर विकास जैन को कॉल की, लेकिन विकास ने कॉल रिसीव नहीं की। इस पर वह दुकान में पहुंचा तो देखा तो विकास जैन फर्श पर गिरा हुआ था और मुंह व पेट से खून निकला हुआ था। उसने आस-पड़ोस के लोगों को बुलाया व विकास को देखा तो उसके गोलियां लगने के निशान थे व फर्श पर खून बिखरा हुआ था। फर्श पर गोलियों के खाली खोखे गिरे हुए थे। वे विकास जैन को अस्पताल लेकर गए तथा पुलिस को सूचना दी। अस्पताल में डॉक्टरों ने विकास जैन को मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान संगरिया थाना प्रभारी अमरसिंह की ओर से शुरू किया गया।

आईजी हेमंत शर्मा ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक हरी शंकर सहित अन्य उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंच घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर एफएसएल और एमओबी टीम की ओर से साक्ष्य संकलित किए गए। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए दस अलग-अलग टीमों का गठन कर उन्हें अज्ञात आरोपियों की तलाश के लिए रवाना किया गया। गठित टीमों ने सूचना संकलित कर आरोपियों की पहचान की तथा उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी। इस दौरान सफलता हासिल करते हुए घटना में संलिप्त मुख्य शूटर जलंधर सिंह उर्फ अमृतपाल (27) पुत्र हरदेव सिंह उर्फ काकासिंह, हरदीप सिंह उर्फ दीप (26) पुत्र जसपाल सिंह, मखिन्द्र सिंह उर्फ लवली (25) पुत्र मल्लासिंह व मनप्रीत सिंह उर्फ मनी (26) पुत्र गुरचरण सिंह को धर्मपुरा हरियाणा से दस्तयाब कर अनुसंधान के बाद गिरफ्तार किया गया। मुख्य शूटर जलंधर सिंह उर्फ अमृतपाल तीन माह पहले पंचकुला के सोनू माल्टा हत्या काण्ड में भी वांछित है।

अनूपगढ़ में घग्घर नदी का पानी भारत-पाक सीमा तक पहुंचा

अनूपगढ़, (निसं)। यहां घग्घर नदी का पानी भारत-पाकिस्तान सीमा तक पहुंच चुका है। पिछले एक हफ्ते से नदी का पानी खेतों और रास्तों से होते हुए सीमा चौकियों तक पहुंच गया है।

बीएसएफ के जवान घुटनों तक पानी में डूबे रास्तों पर भी अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। जवान पैदल पेट्रोलिंग कर रहें हैं। नदी के पानी के साथ जहरीले जीव-जंतु भी बह कर आ रहे हैं। फिर भी, सुरक्षा में किसी तरह की कोई ढील नहीं दी जा रही है। जैसलमेर के अनूपगढ़ में भारत-पाकिस्तान के

- **बीएसएफ के जवान घुटनों तक पानी में डूबे रास्तों पर भी अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं**

बॉर्डर तक घग्घर नदी का पानी पहुंच गया है। घुटनों तक पानी आने के बावजूद बीएसएफ जवान अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

जैसलमेर के अनूपगढ़ में भारत-पाकिस्तान के बॉर्डर तक घग्घर नदी का पानी पहुंच गया है। घुटनों तक पानी आने के बावजूद बीएसएफ जवान अपनी जिम्मेदारी निभा रहें हैं। सीमा सुरक्षा बल ने आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए चौकियों पर नावें तैयार रख ली हैं। चौकियों के आसपास की जमीन नरम होने के बावजूद जवान पूरी सतर्कता से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। घग्घर नदी शिवालिक पहाड़ियों से निकलती है। ये हर साल मानसून के दौरान पंजाब से होते हुए राजस्थान और फिर पाकिस्तान की ओर बहती है।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
स्वास्थ्य भवन, त्यागी वाटिका, जेल वैल, बीकानेर
Ph.No. 0151-2201142, email-eemhbikaner@ymail.com

क्रमांक-EE/M&H/BKN/2025-26/1754 दिनांक-3/9/2025

ई- टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्याः- 36/2025-26

निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर में कुल रू. 125.00 लाख के 01 कार्य हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदको के समकक्ष उपर्युक्त सिविल श्रेणी मे सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे / एमईएस इत्यादि मे पंजीकृत संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त सिविल श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN:NRH2526WSOB01046
DIPR/C/13251/2025

(शिम्भू राम जाटव) अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग बीकानेर

पारिवारिक विवाद में महिला ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा थाना इलाके में पारिवारिक विवाद के चलते महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड कर लिया। जानकारी के अनुसार महिला चित्रा पंजवानी ने 15 सितम्बर को पारिवारिक संपत्ति विवाद के चलते घर में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। महिला को उपचार के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतका ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है। मृतका के बेटे पंकज पंजवानी ने थाने में शिकायत दी है। बेटे ने शिकायत में कहा कि उसकी मां ने सुसाइड नोट में ताऊ गिरधारी लाल, सोना, हनी पंजवानी और एक एएसआई देवकीनंदन का नाम लिखा है। मृतका के परिजनों ने पुलिसकर्मी पर धमकाने का भी आरोप लगाया है। गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल टेलर ने बताया कि गुमानपुरा निवासी चित्रा पंजवानी (61) ने पारिवारिक संपत्ति विवाद के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतका के परिजनो की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। एएसआई व अन्य के खिलाफ जो शिकायत मिली है उसकी जांच की जा रही है।

मादक पदार्थ तस्कर व हत्या के प्रयास के आरोपी गिरफ्तार

अवैध मादक पदार्थ तस्करी में दो साल से फरारी काट रहा था

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम पुलिस टीम ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी में दो साल से फरारी काट रहे वाहन मालिक आरोपी को गिरफ्तार किया है। वहीं हत्या के प्रयास के दर्ज प्रकरण में फरार आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है।

- **हत्या के प्रयास के दर्ज प्रकरण में फरार आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है**

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 19 जून 2023 को आरकेपुरम पुलिस टीम ने नयागांव पुलिया के पास कार्यवाही करते हुए एक एम्बुलेंस में तीन किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। शहर एसपी ने बताया कि मामले में एम्बुलेंस मालिक युवराज फरार चल रहा था, जिसकी तलाश के लिये पुलिस उपअधीक्षक मनीष शर्मा के सुपरविजन में आरकेपुरम थानाधिकारी महेन्द्र मारू के नेतृत्व में टीम गठित की गई। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने मामले में कार्यवाही करते हुए दो साल से फरार चल रहे झालावाड़ निवासी युवराज को झालावाड़ से गिरफ्तार किया। शहर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 28 फरवरी को बीयर बार में किसी बात को लेकर फरियादी का सुनील उर्फ बाबू कबाड़ी उसके लड़के व एक अन्य के साथ बहस हो गई थी। जिसके बाद फरियादी बाइक लेकर घर की तरफ जा रहा था उस समय संतोषी नगर चौराहे के पास आरोपियों ने कार से फरियादी की बाइक में टक्कर मार कर उसे गिरा गया और मारपीट कर उसकी बाइक को साथ लेकर फरार हो गये एवं फरियादी की बाइक को जला दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए शेष आरोपी सुनील उर्फ बाबू कबाड़ी को गिरफ्तार किया। घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया गया है। पकड़ा गया आरोपी महावीर नगर थाने का हार्डकोर अपराधी है।

पुलिस व के.डी.ए. टीम पर हमला करने के दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नान्ता पुलिस टीम ने अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस व केडीए टीम पर हमला करने के मामले में फरार चल रहे दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों पर 5-5 हजार का इनाम घोषित किया हुआ था।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 12 अगस्त को ग्राम शंभुपुरा में कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने के दौरान अतिक्रमियों द्वारा राजकार्य में बाधा उत्पन्न कर पुलिस व केडीए टीम पर हमला कर दिया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में केडीए के तहसीलदार सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने 13 अगस्त को नान्ता थाने में मामला दर्ज कराया था। शहर एसपी ने बताया कि तहसीलदार की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा पूर्व में कार्यवाही करते हुए मामले में 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चूका था। वही मामले में फरार 5-5 हजार के दो इनामी आरोपी शंभ्भुपुरा निवासी राजाराम उर्फ राजू (26) एवं महादेव (24) को गिरफ्तार किया है।

शहर एसपी ने बताया कि केडीए के तहसीलदार सुरेन्द्र शर्मा ने 13 अगस्त को नान्ता थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा कि 12 अगस्त को शंभुपुरा में अतिक्रमण हटाने के दौरान फोरया, महावीर, रामदेव, मोहन, रामकिशन, जगदीश अन्य महिला व पुरूष ने केडीए के कर्मचारियों व मौके पर मौजूद पुलिसकर्मीयों पर हमला कर मारपीट की एवं जेसीबी मशीनों को तोड़कर सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया। पुलिस ने तहसीलदार की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर 13 अगस्त को 10 आरोपी एवं 8 सितम्बर को 7 आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में फरार चल रहे दो आरोपी राजाराम उर्फ राजू व महादेव को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांकःअअ / सांचोर/2025-26/1911 दिनांकः 01-09-2025

निविदा सूचना संख्याः 09/2025-2026
NIB No. PWD2526A3083

मुख्यालय का नाम	कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Road & Building Construction
कुल धरोहर राशि (रूपयों में)	निविदा लागत राशि का 2 प्रतिशत (विभागीय संवेदको को नियमानुसार छुट देय)
निविदा की कुल लागत	रु. 238.43 लाख
ऑनलाईन निविदा आवेदन/ डाउनलोड करने की तारीख	08 सितम्बर 2025, 9:30 बजे से 23 सितम्बर 2025, सांय 6:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख	08 सितम्बर 2025, 9:30 बजे से 23 सितम्बर 2025, सांय 6:00 बजे तक
निविदादाता को निविदा प्रपत्र शुल्क, धरोहर राशि एवं प्रोसेसिंग चार्जेज जमा कराने हेतु	शासन सचिव वित्त (बजट) राजस्थान जयपुर के परिपत्र क्रमांक प.6 (5) वित्त / साविलेनि/2018 जयपुर दिनांक 27.04.2020 के अनुसार निविदादाता को निविदा प्रपत्र शुल्क, धरोहर राशि एवं प्रोसेसिंग चार्जेज निम्नलिखित मद में ईग्रास चालान के द्वारा जमा कराना आवश्यक है। 1. बिड सिक्यूरिटी, धरोहर राशि (बोली प्रतिभूति) निर्माण कार्यो हेतु बजट मद 8443-00-108-00-00 2. दस्तावेज मूल्य (निविदा शुल्क) 0075-00-800-52-01 3. शुल्क 8658-00-102-(16)-02
निविदा खोलने की तारीख	24 सितम्बर 2025, को प्रातः 11:00 बजे

DIPR/C/13144/2025 (प्रदीप पंवार), अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड बाडी जिला धौलपुर

क्रमांक :-864-70 दिनांक :- 08.09.2025

निविदा सूचना संख्याः 05/2025-26
NIB code PWD2526A3126 and UBN is: PWD2526WSOB11695, PWD2526WSOB11696, PWD2526WSOB11697, PWD2526WSOB11698

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड बाडी जिला धौलपुर में सडक एवं पुलिया मरम्मत कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए", "ए"बी"सी" एवं "डी" श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए, "ए"बी"सी" एवं "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट "www.eproc.dipronlineorg" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है।

क्र.सं.	मुख्यालय का नाम	कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड बाडी
1	निविदा का कार्य	तत्कालिक अस्थाई मरम्मत कार्य
2	निविदा की कुल लागत	रु. 118.50 लाख
3	निविदा शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प. (5) / वित्त/साविलेनि / 2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास चालान पर ऑनलाइन एक ही चालान द्वारा निम्न बजट मद में जमा करानी है। (1) निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 (2) प्रोसेसिंग शुल्क 8658-00-102-(16)-02 (निर्माण विभाग) (RISL Fees) (3) धरोहर राशि 8443-00-108-00-00
4	निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 09.09.2025 प्रातः 09:30 बजे दिनांक 23.09.2025 सायं 6:00 बजे तक
5	निविदा फार्म जमा कराने की तारीख (बेवसाइट पर)	दिनांक 09.09.2025 प्रातः 09:30 बजे दिनांक 23.09.2025 सायं 6:00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तारीख (बेवसाईट पर)	दिनांक 24.09.2025 दोपहर 03:00 बजे

अधिशाषी अभियन्ता सा. नि. वि. खण्ड बाडी

DIPR/C/13302/2024

प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और टैक्स सुधारों से जनता को मिला सीधा लाभ : जोगाराम पटेल

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कैसे विकसित भारत की ओर बढ़ रहा देश : विधि एवं कानून मंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर शहर भाजपा कार्यालय में विधि एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने प्रेसवार्ता कर पत्रकारों को संबोधित किया। ''नेक्स्ट जेनरेशन, जीएसटी दरों के क्रांतिकारी और जनउपयोगी सुधार'' विषय पर आयोजित इस प्रेसवार्ता में पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए आर्थिक और कर सुधारों की विस्तार से जानकारी दी। पटेल ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश अब 2 दिवाली मना रहा है, एक पारंपरिक दीपावली और दूसरी कर सुधारों की दीपावली जो आमजन को राहत देने वाली है।

जयपुर शहर भाजपा कार्यालय में विधि एवं कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार को प्रेसवार्ता की।

■ यूपीए सरकार के समय टैक्स प्रणाली जटिल थी और इंस्पेक्टर राज हावी था, जिसे मोदी सरकार ने पारदर्शी और सरल बनाया है। आज ''एक देश एक कर'' का सपना साकार हुआ है : जोगाराम पटेल

उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के समय टैक्स प्रणाली जटिल थी और इंस्पेक्टर राज हावी था, जिसे मोदी सरकार ने पारदर्शी और सरल बनाया है। आज ''एक देश एक कर'' का सपना साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि रोटी कपड़ा और मकान ही नहीं बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी वस्तुओं को सस्ता कर दिया गया है। दवाइयां, ऑक्सीजन से लेकर घरेलू उपयोग की वस्तुएं अब कम दरों पर उपलब्ध हैं। मोदी सरकार ने टैक्स स्लैब को भी सरल किया है अब पहले की चार स्लैब की जगह दो ही प्रमुख स्लैब 5 और 18 प्रतिशत रखे गए हैं, जिससे कर प्रणाली अधिक सहज और स्पष्ट हुई है।

पटेल ने कहा कि टैक्स कम होने का सीधा लाभ जनता को मिला है वाहन खरीदना अब 10 प्रतिशत सस्ता हुआ है और ट्रैक्टर से लेकर टॉफी तक खरीदना आम आदमी के लिए आसान हो गया है। उन्होंने बताया कि आज हमारे देश में करदाताओं की संख्या डेढ़ करोड़ तक पहुंच गई है और जीएसटी संग्रहण 11 लाख करोड़ से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 22 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने इसे मोदी सरकार के कुशल नेतृत्व का परिणाम बताया और कहा कि यह हमारे लिए गौरव की बात है कि उनके जन्मदिवस पर पूरे देश में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है।

इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता जनहित के कार्यों में जुटे रहेंगे और हर व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने का प्रयास करेंगे।प्रेसवार्ता में जयपुर शहर भाजपा के जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब से 2014 में देश के प्रधान सेवक बने हैं तब से हर योजना के केंद्र में देश की गरीब जनता रही है। उन्होंने गरीबों को गणेश मानकर हर नीति की शुरुआत की है। उनके नेतृत्व में 12 करोड से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ है और करोड़ों गरीबों को मकान दिए गए हैं। इस अवसर पर आत्मनिर्भर भारत की जिला संयोजक रेखा राठौड़, नेक्स्ट जेन जीएसटी के संयोजक अजय यादव, सेवा पखवाड़ा के जिला संयोजक नवरत्न नाराणिया सहित भाजपा के जिले स्तर के कई पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आज करेंगे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का शुभारम्भ

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस से शुरू होगा सेवा और सुशासन का महाअभियान

जयपुर । देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितम्बर के अवसर पर राजस्थान सरकार राज्यभर में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का आयोजन करने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जयपुर से इन शिविरों का शुभारंभ करेंगे।

इस अवसर पर वे मालवीय नगर स्थित सामुदायिक केन्द्र से शहरी सेवा शिविरों तथा बस्सी से ग्रामीण सेवा शिविरों की शुरुआत करेंगे। राज्य सरकार 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक प्रदेशभर में इन शिविरों का आयोजन करेगी।

इनका उद्देश्य आमजन को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ त्वरित रूप से उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है। मुख्यमंत्री श्री शर्मा के नेतृत्व में शुरू हो रहा यह अभियान अंत्योदय की भावना को साकार करते हुए विकास को नई गति प्रदान करेगा।

शहरी सेवा शिविरों में नागरिकों को एक ही स्थान पर योजनाओं से संबंधित सेवाएं दी जाएंगी। इनमें जन्म, मृत्यु और विवाह पंजीकरण, लीज, नामांतरण, हस्तांतरण, फायर एनओसी, सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था, सड़क मरम्मत, नाली व सीवर मरम्मत जैसे कार्य शामिल हैं।

साथ ही पीएम-सीएम स्वनिधि योजना, अटल पेंशन योजना, बीमा योजनाएं, वृद्धावस्था, विधवा और विकलांग पेंशन योजना जैसे सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कार्य भी इन शिविरों में संपादित किए जाएंगे। इसके साथ ही नगरीय विकास एवं आवासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, शिविरों में बकाया लीज राशि को वर्ष 2025-26 तक एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज में 100 प्रतिशत की छूट सहित अन्य रियायतें भी दी जाएंगी। मुख्यमंत्री द्वारा शुभारंभ किए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविरों के तहत प्रदेश की प्रत्येक पंचायत समिति में गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को दो ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से शिविर आयोजित किए जाएंगे।

इन शिविरों में आमजन को पट्टा वितरण, रास्ते खोलने, नामांतरण, स्वामित्व योजना, किसान ऐप के माध्यम से गिरदावरी, भूमि विवादों के समाधान जैसे कार्यों का लाभ मिलेगा।इसके अतिरिक्त शिविरों में स्वास्थ्य जांच, यूडीआईडी कार्ड वितरण, पशु चिकित्सा, टीकाकरण, विद्यालयों की मरम्मत, बीज मिनी किट वितरण, वृक्षारोपण, स्वच्छता, मूल निवास व जाति प्रमाणपत्र जारी करने, लंबित फार्मर रजिस्ट्री के पूर्णकरण और जनहानि, पशुहानि एवं मकान क्षित के लिए सहायता राशि की स्वीकृति भी की जाएगी।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में शुरू हो रहा यह सेवा अभियान आमजन को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने और उनकी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से शुरू हो रहा यह अभियान सेवा, सुशासन और अंत्योदय की भावना को मजबूती देने वाला साबित होगा।

दीक्षांत परेड समारोह 19 सितंबर को

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस अकादमी में 19 सितंबर को एक ऐतिहासिक दीक्षान्त परेड समारोह आयोजित होने जा रहा है। जिसमें आरपीएस (प्रोबेशनर्स) बैच संख्या 55 के पुलिस अधिकारी औपचारिक रूप से पुलिस सेवा में शामिल होंगे। अकादमी के परेड ग्राउंड में सुबह 8:30 बजे से शुरू होने वाले इस भव्य कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री राजस्थान भजन लाल शर्मा का आगमन प्रस्तावित है। वह परेड का निरीक्षण करेंगे और युवा अधिकारियों से संवाद कर उन्हें राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करेंगे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से राजभवन में मंगलवार को केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

मदन राठौड़ आज करेंगे सेवा पखवाड़े का शुभारंभ

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन आज से भाजपा प्रदेशभर में सेवा पखवाडे का शुभारंभ करेगी। सेवा पखवाड़ा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न जनसेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर, प्रधानमंत्री के जीवन पर डॉक्टूमेंट्री फिल्म प्रदर्शन, प्रबुद्ध वर्ग संवाद, विशेष योग्यजन एवं विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान,वोकल फॉर लोकल का प्रचार, सांसद खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन, विकसित भारत चित्रकला प्रतियोगिता, मोदी विकास मैराथन, पंडित दीनदयाल जयंती एवं गांधी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया जाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ 17 सितंबर को हवामहल पर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर आज होंगे विभिन्न कार्यक्रम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वच्छता अभियान तथा रक्तदान शिविर में शामिल होंगे

जयपुर । एक दशक से अधिक समय से देश के प्रधान सेवक के रूप में खुद को जनसेवा के लिए समर्पित करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जीवन प्रत्येक देशवासी के लिए प्रेरणास्त्रोत्र है। प्रधानमंत्री के जन्म दिवस (17 सितंबर) के अवसर पर राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही, प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर बुधवार को स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, ग्रामीण सेवा शिविर एवं शहरी सेवा शिविर जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें मुख्यमंत्री शामिल होंगे। कार्यक्रमों की शुरूआत में मुख्यमंत्री प्रात: 7 बजे जयपुर के मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम में शामिल होकर सफाई अभियान में हिस्सा लेंगे।

■ जवाहर कला केन्द्र में आयोजित प्रदर्शनी का भी मुख्यमंत्री करेंगे अवलोकन

इसके पश्चात शर्मा प्रात: 9 बजे जवाहर कला केन्द्र पहुंचेंगे और प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे।

मुख्यमंत्री इसके पश्चात प्रात: 10 बजे मालवीय नगर स्थित सामुदायिक केन्द्र से 'शहरी सेवा शिविर' का शुभारंभ करेंगे। ये शिविर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक राज्य के शहरी निकायों में आयोजित किए जा रहे हैं जहां विभिन्न कार्यों और योजनाओं के माध्यम से आमजन को लाभान्वित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में इंदौर में आयोजित होने वाले स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम में शर्मा जयपुर से वर्चुअल रूप से शामिल होंगे। यह कार्यक्रम प्रतापनगर स्थित आरयूएचएस चिकित्सा परिसर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में थैलेसीमिया कुटुंब योजना, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत मन दर्पण कार्यक्रम तथा जेके लोन अस्पताल में डेडिकेटेड पीडियाट्रिक सीटीवीएस इकाई का शुभारंभ भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री इसके बाद सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित निर्यात संवर्धन औद्योगिक पार्क में तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में पहुंचकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन भी करेंगे। कार्यक्रमों की अगली कड़ी में मुख्यमंत्री अपराह्न साढ़े 3 बजे जयपुर की बस्सी तहसील में ग्राम पंचायत टोडाभाटा स्थित महात्मा गांधी स्टेडियम से 'ग्रामीण सेवा शिविर' का शुभारंभ करेंगे। यह अभियान राज्य की प्रत्येक पंचायत समिति में सप्ताह में तीन दिन आयोजित किया जाएगा। इनमें से प्रत्येक दिन हर पंचायत समिति की दो ग्राम पंचायतों में ये शिविर लगेंगे।

उपमुख्यमंत्री ने किया सुरताल कला महोत्सव का शुभारंभ

सुरताल कला महोत्सव में पहुंची उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का आयोजकों ने स्वागत किया।

जयपुर । जवाहर कला केंद्र और अंजना वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'सुरताल कला महोत्सव' का मंगलवार को भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने दीप प्रज्वलन कर किया और जेकेके में लगाई गई कला प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक मंच न केवल कलाकारों को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि समाज को कला एवं संस्कृति के प्रति अधिक संवेदनशील और जागरूक भी बनाते हैं। हमारी सांस्कृतिक विरासत को संजोने और आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के आयोजनों की अत्यंत आवश्यकता है। 'सुरताल कला महोत्सव' का आयोजन 16 सितम्बर से 25 सितम्बर तक किया जा रहा है। यह 10 दिवसीय उत्सव कला और संस्कृति का अद्वितीय संगम है, जिसमें कठपुतली एवं थिएटर, नृत्य और संगीत, चित्रकला, कल संवाद एवं संगोष्ठियों जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित होंगी। महोत्सव के अंतर्गत राजस्थान की प्रतिष्ठित कला हस्तियों का सम्मान भी किया जाएगा। इनमें पद्मश्री तिलक गीती, प्रसिद्ध कलाकार युसूफ़ खान सहित अन्य कला साधक शामिल हैं। महोत्सव की विशेष कार्यशालाएँ सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों में भी आयोजित की जाएँगी, ताकि अधिक से अधिक युवा विद्यार्थी कला और संस्कृति से जुड सकें। अंजना वेलफेयर सोसाइटी, जिसकी फाउंडर मेंबर माया कुलश्रेष्ठ हैं, पिछले 13 वर्षों से भारतीय कला-संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

केंद्रीय मंत्री अठावले जयपुर फुट केंद्र पर दिव्यांगों से मिले

जयपुर। केंद्रीय सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्री रामदास अठावले ने सोमवार को भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) में दिव्यांगों से भेंट की।

अठावले एक दिवसीय जयपुर यात्रापर आए थे। उन्होंने बड़ी संख्या में दिव्यांगों को संबोधित करते हुए कहा कि डीआर मेहता ने बीएमवीएसएस संस्था स्थापित कर उन पीडित द्विव्यांगों की सेवा का मानव कल्याणकारी कार्य किया हैं, जिससे हर भारतीय गौरवान्वित हैं।

संस्था बीएमवीएसएस प्रांगण में पहुंचने पर अठावले का स्वागत बीएमवीएसएस के सचिव भूपेन्द्र मेहता और तकनीकि सचिव डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने किया।बीएमवीएसएस के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डीआर मेहता ने द्विव्यांगों से केंद्रीय मंत्री से भेंट कराई।

उन्होंने कहा कि वह बीएमवीएसएस के जयपुर फुट युएसए के चेयरमैन प्रेम भंडारी से इस संस्था के कार्यों की जानकारी प्राप्त कर चुके थेऔर तब ही से केंद्रीय मंत्री के रूप में वह संस्था को देखना चाहते थे। उन्होंने दिव्यांगों को जीवन हिम्मत और सुख से जीने के लिए कहा।

छोटीकाशी में शारदीय नवरात्रा की तैयारियां शुरू

जयपुर। शारदीय नवरात्रे के लिए छोटीकाशी के मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई है। आमेर, दुर्गापुरा, पुरानी बस्ती, घाटगेट श्मशान, झालाना डूंगरी के प्रसिद्ध देवी मंदिरों में तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में कनक घाटी आमेर रोड स्थित ठिकाना मंदिर श्री गोविन्द देव जी के मातहत मंदिर श्री देवी मनसा माता में शारदीय नवरात्र महोत्सव भक्तिभाव से मनाया जाएगा। इस बार देवी मां हाथी पर विराजमान होकर मंदिर में पधारेंगी। सोमवार 22 सितंबर को गोविंद देवजी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सुबह 8:30 से दोपहर 12 बजे तक घट स्थापना, श्री शारदीय दुर्गा देवी कल्पारम्भ, विहित पूजा, व्रत, चण्डी पाठ, श्रृंगार, भोग, आरती एवं पुष्पांजलि सम्पन्न होंगे। गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि प्रतिदिन चण्डी पाठ, श्रृंगार, भोग, आरती एवं पुष्पांजलि के आयोजन होंगे।

द्वितीया 23 सितम्बर मंगलवार, तृतीया 24 सितम्बर बुधवार, चतुर्थी 25 सितम्बर गुरुवार एवं 26 सितम्बर शुक्रवार तथा पंचमी 27 सितम्बर शनिवार को इसी क्रम में कार्यक्रम रहेंगे। षष्ठी 28 सितम्बर रविवार को सुबह 8:30 बजे से षष्ठी कल्पारम्भ होगा।

राजस्थान महिला निधि को एनसीडीसी से मिली 3000 करोड़ की ऋण सुविधा

जयपुर । राजस्थान सरकार की 'राजस्थान महिला निधि' योजना ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस योजना के तहत राजीविका स्वयं सहायता समूहों और उनकी सदस्याओं को आसान, सुलभ और त्वरित ऋण दिया जाता है ताकि वे अपना व्यवसाय शुरु या विस्तारित कर सकें और परिवार की आमदनी बढ़ा सकें।

योजना की जानकारी देते हुए नेहा गिरि, राज्य मिशन निदेशक राजीविका ने बताया कि महिलाएं 40 हजार रुपये तक का ऋण मात्र 48 घंटे में प्राप्त कर सकती हैं, जबकि इससे अधिक राशि 15 दिनों में स्वीकृत होती है। यह योजना राजस्थान के सभी 41 जिलों में लागू है और लगभग 4 लाख एण्ड समूहों व करीब 45 लाख ग्रामीण परिवारों तक पहुँच चुकी है। गरीब, निराश्रित और वंचित महिलाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाती है। डिजिटल आवेदन और न्यूनतम कागजी कार्यवाही होने से प्रक्रिया बेहद सरल है।

नेशनल को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की ओर से 3000 करोड़ रुपये की ऋण स्वीकृति का चैक दिया गया।

योजना के विस्तार के लिए राज्य सरकार ने नेशनल को-ऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन से 3000 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा प्राप्त की है। एनसीडीसी भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक वैधानिक संगठन है। इस राशि का चेक प्रदान किये जाने के अवसर पर रोहित गुप्ता, उप प्रबंध निदेशक, डॉ. पूजा शर्मा, राजस्थान महिला निधि उपस्थित थे। योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा महिलाओं को ऋण पर ब्याज अनुदान दिया जाएगा जिससे उन्हें केवल 1.5 प्रतिश वार्षिक ब्याज पर ऋण उपलब्ध हो सकेगा।

यह राशि महिलाओं को सूक्ष्म उद्यम, कृषि, पशुपालन, छोटे कारोबार और सामाजिक आवश्यकताओं के लिए

■ ग्रामीण महिलाओं को 1.5 प्रतिशत वार्षिक दर पर मिलेगा ऋण

आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में प्रयुक्त होगी। कम ब्याज दर महिलाओं को बिना आर्थिक बोझ के व्यवसाय बढ़ाने में मदद करती है।

समय पर ऋण से महिला उद्यमिता, आय वृद्धि और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा मिला है। आवेदन से लेकर निगरानी तक सभी प्रक्रियाएँ पूरी तरह ऑनलाइन हैं। सामुदायिक समूह और महिला नेतृत्वकर्ता जागरूकता फैलाने और ऋण अदायगी में सक्रिय हैं।

इस अवसर पर सुनील कुमार छापोला, क्षेत्रीय निदेशक एनसीडीसी जयपुर, विकास उपाध्याय, निदेशक सी, आईसी और एससी, मीनाक्षी यादव, उप निदेशक सी, आईसी और एससी, शंभू दयाल कुमावत, डीपीएम - राजस्थान महिला निधि भी उपस्थित रहे।

2 से 15 अक्टूबर तक प्रदेशभर में चलेगा सहकार सदस्यता अभियान

जयपुर । सहकारिता विभाग द्वारा आगामी 2 से 15 अक्टूबर तक प्रदेश भर में सहकार सदस्यता अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान को सफल बनाने के लिए विभाग द्वारा वृहद् स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने मंगलवार को वीसी के माध्यम से आयोजित बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों का आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राजपाल ने कहा कि अभियान को सफल बनाने तथा आशानुरूप परिणाम प्राप्त करने के लिए अभियान पूर्व तैयारियां निर्धारित समय में एवं निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप सुनिश्चित करनी होंगी। उन्होंने तैयारियों की खण्डवार समीक्षा करते हुए इसमें गति लाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि यह अभियान राज्य में सहकारिता का विस्तार करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण अवसर होगा। अभियान के अंतर्गत प्रमुख रूप से पांच गतिविधियां सम्पादित की जाएंगी, जिनमें नवीन पैक्स के गठन हेतु प्रस्ताव व सदस्यता राशि प्राप्त करना तथा स्वीकृति जारी करना, प्रस्तावित नये सहकारिता कानून के प्रावधानों की जानकारी देना, पैक्स/डेयरी सहकारी समितियों में युवाओं व महिलाओं के लिए विशेष सदस्यता अभियान चलाना, पीएम किसान योजना के अंतर्गत लम्बित आवेदनों की ई-केवाईसी व आधार सीडिंग कराकर इनका निस्तारण करना तथा नवीन गोदामों के लिए आवश्यकता के अनुरूप जमीन चिह्नीकरण किया जाना शामिल हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि अभियान में अपेक्षित परिणाम प्राप्त करने के लिए सबकी भागीदारी और

■ प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा

जिम्मेदारी सुनिश्चित करते हुए पूरी सक्रियता से प्रयास किये जाएं। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि अभियान के संबंध में जिलेवार लक्ष्य निर्धारित कर अवगत करवाया जा चुका है। अभियान की अवधि सीमित होने के कारण तैयारी अवधि में आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं, जिससे अभियान के दौरान सुगमता से कार्य सम्पन्न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप पूरे मनोयोग से प्रयास करते हुए अधिक से अधिक युवाओं और महिलाओं को सहकारी समितियों की सदस्यता के लिए आवेदन करवाये जाएं। इस कार्य में एनजीओ, राजीविका समूहों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, नेहरू युवा केन्द्र आदि का सहयोग लिया जाए। अभियान के दौरान 10 फीसदी नये सदस्य जोड़ने का लक्ष्य है। सदस्यता के लिए ऑफलाइन अथवा ऑनलाइन आवेदन करवाया जा सकता है। राजपाल ने नवीन पैक्स गठन के लिए सर्व की कार्यवाही में तेजी लाने, पीएम किसान सम्मान निधि योजना के वंचित लाभार्थियों की ई-केवाईसी व आधार सीडिंग करवाकर लाभान्वित करने तथा गोदामों हेतु भूमि चिह्नीकरण कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अतिरिक्त रजिस्ट्रार (खण्ड) को अभियान के बिन्दुओं की नियमित रूप से समीक्षा व मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित प्रारूप में सूचनाएं प्राप्त कर प्रतिदिन प्रधान कार्यालय भिजवाने के निर्देश दिए।

सार-समाचार

अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस मनाया

ब्यावर (निसं) श्री वद्धर्मान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वद्धर्मान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में आईक्यूएसी एवं विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में छात्राओं को ओजोन परत के महत्व और इसे संरक्षित करने की आवश्यकता को समझाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय ओजोन दिवस का आयोजन किया गया ।ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने बड़े उत्साह से भाग लेकर ओजोन के क्षरण का कारण बनने वाली हानिकारक सामठियों का उपयोग कम करके, इसकी रक्षा करने की शपथ भी ली। प्राचार्य डॉ आर.सी. लोढ़ा ने बताया कि प्रकृति और पर्यावरण के बदलावों को समझकर ही हम पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका अदा कर सकते है।भौतिक विज्ञान की व्याख्याता कोमल गुप्ता ने छात्राओं को बताया कि विश्व ओजोन दिवस प्रतिवर्ष 16 सितंबर को मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य ओजोन परत को नुकसान पहुँचाने वाले पदार्थों के उत्पादन और उपभोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है।आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर एवं अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने विज्ञान विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि ये गतिविधियाँ जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए महाविद्यालय के मिशन का अभिन्न अंग है।कार्यक्रम में विज्ञान विभाग के व्याख्याता पंकज शर्मा, सुरेन्द्र सिंह, सुनीता कुमारी, हर्षिता शर्मा सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही ।

शहर कांग्रेस की बैठक आज

अजमेर (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वोट चोरी खुलासे के बाद देशव्यापी अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। प्रदेश कांग्रेस यह अभियान 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक आयोजित होगा। अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अंकुर त्यागी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बुधवार 17 सितम्बर को प्रातः 11 बजे विजयलक्ष्मी पार्क में बैठक का आयोजन कर रणनीति बनाई जाएगी। बैठक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष और अजमेर संभाग प्रभारी रामविलास चौधरी एवं पीसीसी महासचिव जिला प्रभारी चेतन डूडी के मुख्य आतिथ्य एवं अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय जैन की अध्यक्षता में आहूत होगी। आयोजित बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता, पीसीसी पदाधिकारी, जिला कांठोस के पदाधिकारी, सांसद प्रत्याशी, विधानसभा प्रत्याशी, ब्लॉक, मंडल अध्यक्ष मय कार्यकारिणी, अग्रीम संगठनों, विभाग, प्रकोष्ठ अध्यक्ष, पार्षद, वार्ड अध्यक्ष सहित कांग्रेसी कार्यकर्ता भाग लेंगे। प्रवक्ता त्यागी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा पर वोट चोरी और संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए वोट चोर-गद्दी छोड़ नाम से हस्ताक्षर अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। बैठक में अभियान को सफल बनाने के लिए कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं से चर्चा की जाएगी।

कचरा वाहन को हरी झंडी दिखाई

मसूद (निसं)। मसूदा नगर पालिका क्षेत्र में एक गूंज सुनाई देगी अब स्वच्छ भारत का वादा कर लिया हमने हर घर के सामने सुनाई देगी मधुर आवाज। केंद्र व राज्य सरकार की अति महत्वपूर्ण एवं जनकल्याणकारी योजना स्वच्छ भारत के तहत मंगलवार को नगर पालिका मसूदा में हर घर घर कचरा संग्रहण का शुभारंभ किया गया । मसूदा उपखंड की नगर पालिका में मंगलवार को स्वच्छ भारत के तहत हर घर-घर कचरा संग्रहण का शुभारंभ विधायक व नगर पालिका ईओ द्वारा हरी झंडी बताकर हर घर घर कचरा संग्रहण का शुभारंभ किया गया। कचरे का वाहन देखकर मोहल्लेवासियों में खुशी की लहर छा गई और ठाामीणों ने कहा कि अब मसूदा नगर पालिका में जगह-जगह नहीं होगी गन्दगी हर घर के बाहर नहीं फेंकना पड़ेगा घर का कचरा मन्दगी से मिलेगी अब निजात। ठाामीणों ने कचरा वाहन में कचरा डालने के लिए ली शपथ।इस अवसर पर नगर पालिका ईओ ने ग्रामीणों से कहा कि घरों का कचरा लेने कचरे का वाहन आएगा आप सभी को कचरा वाहन में गिला सूखा कचरा गाड़ी में ही डाले केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई गई स्वच्छ भारत अभियान के तहत नगर पालिका मसूदा को स्वस्थ बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम। उठाया गया है जिसे ग्रामीण महिला पुरुष एवं बालक-बालिकाएं घर का कचरा वाहन में ही कचरा डालें घरों के बाहर यह अन्य जगह कचरा नहीं फेंके नगर पालिका मसूदा स्वच्छ रहेगी तो नगर पालिका में बीमारियों से बचा जा सकता है। जैसे मच्छर आदि नहीं फैलेंगे बीमारियों से बचा जा सकता है इस अवसर पर नगर पालिका मसूदा के ईओ अक्षय राजपुरोहित ,मंडल अध्यक्ष विजय सिंह रावत, मसूदा मंडल के कार्यकर्ता , नगर पालिका स्टाप व ग्रामीणजन मौजूद रहे।

11 शिक्षकों का किया सम्मान

अजमेर (कासं)। लायंस क्लब अजमेर द्वारा प्रांत 3233 ई 2 संभाग एक के क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन शैलेश बंसल की सद्धावना यात्रा वैशालीनगर स्थित लायंस भवन में क्लब अध्यक्ष लायन अशोक जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। डिस्ट्रिक्ट चीफ मीडिया कॉर्डिनेटर लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि मंगलवार को क्लब की सेवा गतिविधियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी देने एवं प्रांत की नीतियों, योजनाओं, आगामी गतिविधियों, प्रांत द्वारा निर्देशित कार्यक्रम से अवगत कराने के लिए क्षेत्रीय अध्यक्ष की अधिकारिक यात्रा हुई। इस अवसर आयोजित कार्यक्रम में पर शिक्षकों का सम्मान किया गया। मंच संचालन लायन कमलेश ईनाणी ने किया। ध्वज वंदना लायन पुष्पा ईनाणी ने की। सचिवीय प्रतिवेदन लायन मनीष शर्मा ने पढ़ा। इससे पूर्व अतिथियों ने भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि लायन शैलेश बंसल ने कहा कि गुरु हमारे आदर्श होते है। उनकी दी शिक्षा एवं ज्ञान से ही हम कामयाबी की मंजिल हासिल करते है। उनका सम्मान करना हमारे लिए गौरव है। इस अवसर पर 11 शिक्षकों को माला एवं दुपट्टा ओढ़ाकर, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

वार्षिक क्षमावाणी पर्व उत्सव के साथ संपन्न

अजमेर (कासं)। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन जिनालय शान्तिपुरा आनंदनगर में मंगलवार वार्षिक क्षमायाचना महापर्व बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ सम्पन्न हुआ। मंदिर परिसर में धर्मावलम्बियों ने एकत्र होकर उत्तम क्षमा की साधना करते हुए बीते वर्ष में हुए जाने-अनजाने अपराधों के लिए एक दूसरे से करबद्ध क्षमायाचना की। प्रवक्ता कमल गंगवाल व नरेश गंगवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ नित्य नियम अभिषेक एवं शान्तिधारा से हुआ। इसके पश्चात् समस्त साधर्मी बंधुओं ने सामूहिक रूप से क्षमावाणी पर्व मनाया। आगन्तुकों का स्वागत सुबोध पाटनी द्वारा तिलक लगाकर किया गया तथा प्रो. आर के बोहरा ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

कांग्रेस दोहरे स्वभाव की पार्टी है : मदन राठौड़

- भारत-पाक मैच पर कांग्रेस पर बरसे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष पहले दबाव दिया, अब फायदे के लिए बयानबाजी

पुष्कर (निसं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। नागौर जाते समय पुष्कर के एक होटल में आज पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने भारत-पाकिस्तान मैच, पानी समझौते और विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले पर कांग्रेस को घेरा। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस दोहरे स्वभाव की पार्टी है। भारत-पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर कांग्रेस खुद ही विरोधाभास की स्थिति में है। उनके नेता पहले कहते हैं कि खेल को खेल की भावना से खेला जाए, लेकिन अब जब मैच खेला गया तो वही नेता सवाल खड़े कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने दबाव डालकर यह मैच करवाया और अब राजनीतिक फायदा लेने के लिए । बयानबाजी कर रहे हैं। पानी के मुद्दे पर उन्होंने 1960 के पानी समझौते को कांग्रेस की नाकामी बताते हुए कहा, कांग्रेस ने ऐसा समझौता किया कि 75 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दिया जाएगा और भारत केवल 25 प्रतिशत लेगा। यह देश के साथ अन्याय है। जब पाकिस्तान हमारे देश में आतंकवाद फैलाता है और हम पर हमले करता है तो हम उसे पानी क्यों दें? पंजाब, राजस्थान और गुजरात को इस पानी की जरूरत है। विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले में कांग्रेस को हाईकोर्ट से मिली क्लीन चिट पर सवाल पूछे जाने पर राठौड़ ने सीधा जवाब देने से बचते हुए कांग्रेस के अंदरुनी कलह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, सभी जानते हैं कि अशोक गहलोत और सचिन पायलट अपने-अपने विधायकों को लेकर बैठे रहे। जनता सब जानती है कि यह मामला क्या था। इस दौरान राठौड़ ने मोदी सरकार की जमकर तारीफ की और स्वदेशी उत्पाद खरीदने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रेरित करने के लिए कार्यकर्ताओं को कहा । इस मौके पर अजमेर देहात जिला अध्यक्ष जीतमल प्रजापति, अरुण वैष्णव ने राठौड को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। अजमेर देहात मीडिया प्रभारी प्रकाश रावत ने बताया कि जिले के 31 मंडलों पर जीएसटी ननई पीढ़ी की कार्यशाला रखकर आमजन को इसके लाभ बताए जाएंगे। भाजपा अजमेर देहात जिलाध्यक्ष जीतमल प्रजापत ने कहा कि प्रत्येक बूथ तक पत्रक वितरण करके नई पीढ़ी जीएसटी के बारे में आमजन को मिलने वाले लाभ के बारे में बताया जाएगा । इस दौरान अजमेर देहात जिला अध्यक्ष जीतमल प्रजापत, जिला महामंत्री अर्जुन नालिया, जिला उपाध्यक्ष अमित भंसाली, प्रधान प्रतिनिधि अर्जुन सिंह रावत, जिला प्रवक्ता महेंद्र सिंह मझेवला, जिला प्रवक्ता अरुण वैष्णव, जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश रावत, सुरजीत सिंह रावत, संपत सुवाल, आदि उपस्थित रहे।

टीम ने राष्ट्रीय अधिवेशन में लहराया परचम

- जैन महिला महासमिति टीम ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी को प्रभावित किया और मंच पर छा गई

नसीराबाद(निसं)। राहुल कुमार वर्मा दिगम्बर जैन महिला महासमिति के 30वें राष्ट्रीय वार्षिक अधिवेशन (अशोकनगर - 13 एवं 14 सितम्बर) में अजमेर संभाग के नसीराबाद शहर की टीम ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी को प्रभावित किया और मंच पर छा गई। अध्यक्ष प्रीति सेठी, कोषाध्यक्ष अनीता सोगाणी, सांस्कृतिक मंत्री निधि जमौरिया, बाल विकास मंत्री सोनू सोनी व सोनम सेठी के नेतृत्व में नसीराबाद शहर की टीम ने अधिवेशन में भाग लेकर अपनी रचनात्मकता व सांस्कृतिक उत्साह का परिचय दिया। टीम ने मुनि निंदा विषय पर केंद्रित लघु नाटिका प्रस्तुत की, जिसमें मुख्य पात्र निधि जमौरिया और सोनू सोनी के बेहतरीन अभिनय ने दर्शकों और निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पंडाल तालियों की गूंज से गूंज उठा।

देश-विदेश से आई 15 नाटिकाओं में से नसीराबाद की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त कर न केवल अजमेर संभाग बल्कि नसीराबाद शहर का भी नाम रोशन किया । टीम ने पंच पंचमेष्ठी के पांच रंगों की वेशभूषा में आकर्षक बैनर प्रस्तुति दी। जुलूस में भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर भक्ति व नारे लगाते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यह उपलब्धि नसीराबाद की सांस्कृतिक चेतना और संगठन की ताक़त को राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने वाली साबित हुई।

राजस्थान की प्रांतीय कार्यकारिणी

ब्यावर (निसं)। प्रांतीय गुर्जर गौड ब्राह्मण महासभा राजस्थान की पुरुष एवं एवं महिला प्रांतीय कार्यकारिणी में ब्यावर निवासी दो पुरुष एवं दो महिलाओं का मनोनयन किया गया है।प्रांतीय अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा एवं प्रधानमंत्री राजाराम शर्मा ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए स्थानीय शम्भू दयाल व्यास को अनुभव,संगठन के प्रति निष्ठा ,समाज के प्रति समर्पण एवं रखने के कारण प्रांतीय मीडिया प्रभारी तथा सत्य नारायण पंचोली को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है इसी प्रकार प्रांतीय महिला अध्यक्ष डॉक्टर मीना गौतम एवं महामंत्री अनीता गौतम ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए समाज सेवा में गहरी रुचि, सक्रिय , निष्ठा ,उत्कृष्ट नेतृत्व,एवं समाज के प्रति समर्पण भाव रखने के कारण स्थानीय प्रभा उपाध्याय को महिला संभाग अध्यक्ष तथा रानू जोशी का जिलाध्यक्ष ब्यावर के पद पर मनोनयन करते हुए उज्जवल भविष्य की मनोकामना की है।

पदम् श्री से अलंकृत करने के उपलक्ष्य में त्रिदिवसीय समारोह समपन्न

- तीनों राज्यपाल के द्वारा गुरु वल्लभ की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित किया गया

नागौर(निसं)। भारत सरकार द्वारा गच्छाधिपति शांतिदूत परम पूज्य जैनाचार्य श्रीमद् विजय नित्यानन्द सूरीश्वरजी म.सा. के लोक कल्याणकारी कार्यों को पद्मश्री से अलंकृत करने के उपलक्ष्य में राष्ट्र स्तरीय भव्य अभिनन्दन एवं क्षमापणा संक्रान्ति समारोह का मंगलवार को समापन हुआ। जिसके अंतर्गत राजनेता अभिनेता व कई नामचीन हस्तियों ने शिरकत की मुम्बई से फिल्म स्टार सोनू सूद और रूपाली गांगुली ने दर्शको का बहुत मनोरंजन किया । देश के कोने कोने से जैन समाज के सदस्य व अन्य भक्तगण, श्रद्धालु इस आयोजन में सम्मिलित हुए। यह तीन दिवसीय आयोजन 14 सितंबर से शुरू हुवा जो मंगलवार को संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम जैन दादावाड़ी नौ छतरियां, नागौर में आयोजित हुआ। जहां तीन दिन में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिनांक मंगलवार को क्षमापना संक्रान्ति, पदम् श्री के उपलक्ष में विराट अभिनन्दन समारोह का आयोजन हुआ। जिसमे धर्म सभा का आयोजन हुआ।धर्म सभा में सक्रांति के उपलक्ष में गुरु वल्लभ का गीत गाया गया। उसके बाद शांति पाठ सुनाया गया।

उसके बाद सक्रांति के उपलक्ष में सक्रांति नाम सुनाया गया।इस आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के राज्यपाल माननीय श्री हरिभाऊ बागडे, पंजाब के राज्यपाल माननीय श्री गुलाब चन्द कटारिया, बिहार के राज्यपाल माननीय श्री आरिफ मोहम्मद खान अतिथि मौजद थे। तीनों राज्यों के राज्यपाल के अभिवादन में प्रोग्राम का आगाज राष्ट्रगीत के साथ शुरू हुआ । तीनों राज्यपाल के द्वारा गुरु वल्लभ की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित किया गया। तीनों राज्यों के राज्यपाल का स्वागत कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार के द्वारा किया गया।

सोफिया कॉलेज की छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

अजमेर (कासं)। देश में बढ़ते सुसाइड के मामलों को लेकर मंगलवार को सोफिया कॉलेज की छात्राओं द्वारा आमजन को जागरुक करने के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाली। रैली कॉलेज परिसर से शुरू हुई जो विभिन्न मार्गों से होते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आत्महत्या की रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

सोफिया कॉलेज की प्रिंसिपल सिस्टर पर्ल ने बताया कि मंगलवार को आत्महत्या की रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता का संदेश देने के लिए छात्राओं द्वारा जागरुकता रैली निकाली गई, जिसमें पांच सौ से अधिक छात्राओं सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधि और स्कूलों के बच्चे शामिल हुए। इस मौके पर सिस्टर पर्ल ने कहा कि देश में हर 40 सेकंड में एक व्यक्ति सुसाइड कर रहा है।

यह चिंता का विषय है और समाज को जागरूक करने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि आत्महत्या किसी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि सही समय पर बातचीत और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देकर इसे रोका जा सकता है। रैली के दौरान छात्राओं ने हाथों में स्लोगन और पोस्टर लेकर सुसाइड समाधान नहीं और बोलिए, सुनिए, समझिए जैसे संदेश दिए। नुक्कड़ नाटक में छात्राओं ने दिखाया कि परिवार, दोस्त और समाज मिलकर मुश्किल दौर से गुजर रहे व्यक्ति को सहारा दे सकते हैं।

मौसमी बीमारियों के बढ़ रहे मरीज

- सबसे ज्यादा संक्रमण का असर बच्चों पर
- जेएलएन में 200 से ज्यादा बच्चे बुखार-खांसी से पीडित़

अजमेर (कासं)। मानसून की बरसात थमने के साथ ही मौसम में हुए बदलाव के चलते अब शहर सहित जिले भर में मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ गया है। संभाग के सबसे बड़े जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के शिशु रोग विभाग सहित शहरी व ग्रामीण डिस्पेंसरियों में मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के शिशु रोग विभाग में प्रतिदिन 350 से ज्यादा बच्चे इलाज के लिए आ रहे हैं, इनमें करीब 200 से अधिक बच्चे खांसी, बुखार, डेंगू और जोड़ों में दर्द जैसी बीमारियों से पीडित़ है। स्कूल बन रहे मौसमी संक्रमण के स्प्रेडर: शिशु रोग विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अमित यादव ने बताया कि स्कूल मौसमी संक्रमण के स्प्रेडर बन रहे हैं।

बच्चे आपस में टच हो रहे हैं, साथ बैठकर खाना खा रहे हैं और जिन बच्चों को खांसी या बुखार है, उनका वायरस अन्य बच्चों को भी संक्रमित कर रहा है। ऐसे में घर और स्कूल दोनों जगह सतर्कता जरूरी है।

डॉ. यादव ने कहा कि घरों के आस पास पानी जमा ना होए गंदगी का विशेष ध्यान रखा जाए। इससे डेंगू और स्क्रब टाइफस जैसी बीमारियों के फैलाव पर रोक लग सकती है। उन्होंने बताया कि हाथ-पैरों में दर्द लेकर आने वाले मरीजों का डेंगू टेस्ट करवाया जा रहा है। आने वाले दिनों में बढ़ेगी मरीजों की संख्या: डॉ. यादव ने बताया कि अभी स्थिति सामान्य है, लेकिन आने वाले दिनों में सर्दी की शुरुआत होते ही अस्पताल में मरीजों की संख्या और बढ़ सकती है। इसलिए अस्पताल प्रशासन द्वारा अतिरिक्त बेड और जांच की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने बताया कि जेएलएन अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है, कुछ दिनों पहले रोजाना साढ़े चार हजार मरीज आ रहे थे, वहीं अब यह संख्या साढ़े पांच हजार से छह हजार तक पहुंच गई है। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने मुख्यमंत्री निशुल्क दवा काउंटर पर दवाओं का अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध करवाया है, ताकि किसी को दवा की कमी का सामना न करना पड़े।

नसीराबाद-अजमेर मार्ग के गड्ढों से बढ़ा खतरा

- 181 पर शिकायतों के बावजूद कार्रवाई शून्य

नसीराबाद (निसं)। नसीराबाद शहर के वीर चौहराया और अजमेर की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों के कारण वाहन चालकों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार की देर शाम को इसी सड़क पर गड्ढों की वजह से एक हादसा हो गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वे पिछले दो महीने से इस समस्या को लेकर 181 पर शिकायत दर्ज करा चुके हैं, लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से किसी तरह का ठोस सुधारात्मक कदम नहीं उठाया गया है। जवाब में केवल 'कार्रवाई की जाएगी' का आश्वासन मिला, जबकि सड़क की स्थिति जस की तस बनी हुई है। यह मार्ग नसीराबाद से अजमेर को जोड़ने वाली सबसे व्यस्त सड़कों में से एक है। इसी रास्ते से प्रशासनिक गाड़ियां भी गुजरती हैं, फिर भी समस्या पर कोई ठोस एक्शन नहीं लिया जा रहा। लोगों का कहना है कि अगर समय रहते सड़क की मरम्मत हो जाती तो सोमवार की घटना टल सकती थी।

दिन में तो गड्ढे दिखाई दे जाते हैं, लेकिन रात के समय ये गहरे गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

शहरी सेवा शिविर-2025

ब्यावर (निसं) मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशों के तहत शहरवासियों की समस्याओं का उनके घर के पास ही समाधान करने के लिए बुधवार 17 सितम्बर से शहरी सेवा शिविर-2025 शुरू किए जा रहे हैं। इस अभियान में वार्ड स्तर पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध होंगी। शहरवासियों की समस्याओं का निराकरण तुरंत होगा। निगम ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है। क्षेत्र में वार्ड वाईज शिविर लगाए जाएंगे।जिला कलेक्टर कमल राम मीना ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा शहरी नागरिकों को प्रदत सेवाओं के शीघ्र निस्तारण, जन समस्याओं के समाधान एवं शहरी क्षेत्र को स्वच्छ, सुन्दर एवं सुव्यवस्थित बनाये जाने के लिए जनहित में शहरी सेवा शिविर- 2025 का आयोजन किया जाएगा।

आरपीएससी सचिव का फूंका पुतला

- दीपावली अवकाश में भी परीक्षा ड्यूटी लगाए जाने पर जताया आक्रोश
- जिला कलेक्ट्रेट पर मांगों को लेकर प्रदर्शन करते शिक्षक तथा कलेक्ट्रेट पर पुतला जलाया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा दीपावली अवकाश पर परीक्षा कार्यक्रम घोषित करने सहित 11 सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को जिला कलेक्टर कार्यालय पर राजस्थान शिक्षक संघ लोकतांत्रिक के बैनर तले शिक्षकों ने विरोध प्रदर्शन किया और आरपीएससी सचिव का पुतला फूंक कर अपना आक्रोश जताया। शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर लोक बंधु को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप कर समस्याओं से अवगत कराया।

राजस्थान शिक्षक संघ लोकतांत्रिक के प्रदेश संयोजक माखन लाल माली ने ज्ञापन के बाद मीडिया को बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 12 से 19 अक्टूबर तक परीक्षा कार्यक्रम घोषित किया है, जबकि शिक्षा विभाग में 13 से 24 अक्टूबर तक दीपावली अवकाश है। इसके बावजूद शिक्षकों की परीक्षा में ड्यूटी लगाई जा रही है। उन्होंने कहा कि धनतेरस के दिन भी परीक्षा आयोजित की जाएगी,ऐसे में शिक्षक अपने परिवार के साथ त्योहार नहीं मना पाएंगे।

52 रविवार में से 30 से 40 रविवार ड्यूटी करनी पड़ती : संघ की महिला पदाधिकार अरुणा शर्मा सहित प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने कहा कि पूरे साल में 52 रविवारों में से 30 से 40 रविवार उन्हें ड्यूटी करनी पड़ती है। वहीं अवकाश के दौरान भी ड्यूटी पर बुलाया जाता है, जो शिक्षकों के लिए बेहद तनावपूर्ण स्थिति है। उन्होंने कहा कि चाहे ठाीष्मकालीन अवकाश हो या शीतकालीन, हर बार शिक्षकों को ड्यूटी पर बुला लिया जाता है।

ऐसे में न तो उन्हें आराम का समय मिलता है और न ही पारिवारिक दायित्व निभाने का। संघ ने सरकार से मांग की है कि शिक्षकों को अवकाश के दौरान परीक्षा ड्यूटी से मुक्त किया जाए और परीक्षा कार्यक्रम त्योहारों के बाद आयोजित किए जाएं। शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

डीलर्स को आधुनिक तकनीक की सौगात

नसीराबाद (निसं)। भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र, झड़वासा में प्रशासक भंवर सिंह की अध्यक्षता में प्रगतिशील किसानों एवं पेस्टीसाइड डीलर्स के लिए 'कीटनाशकों का विवेकपूर्ण उपयोग' विषय पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ।

NAME CHANGE

I Chranjeet Kaur Mother's of Army No.18015268K, L/Nk, Gurbaj Singh Residing at Veerbhanwala, Badhapur, Nagine, Bijnor, U.P. 246724 have change my name from Charanjeet Kaur to Chranjeet Kaur at court campus Nasirabad

यात्रा सेवा दिवस बड़े उत्साह से मनाया गया

- किशनगढ़ हवाई अड्डे पर आज से
- सेवा दिवस सांस्कृतिक माहौल के बीच मनाया जाएगा

अजमेर, (कासं)। देश के सभी एयरपोर्ट सहित किशनगढ़ हवाई अड्डे पर 17 सितंबर से यात्रा सेवा दिवस बड़े उत्साह और सांस्कृतिक माहौल के बीच मनाया जाएगा। इस आयोजन को केंद्र सरकार की 'उड़ान योजना' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान से भी जोड़ा गया है, ताकि क्षेत्रीय हवाई अड्डों को प्रोत्साहन मिले और यात्रियों को बेहतर अनुभव मिल सके।

एयरपोर्ट डायरेक्टर बी.एल. मीणा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि एयरपोर्ट पर आने वाले यात्रियों का परंपरागत रूप से तिलक लगाकर स्वागत किया जाएगा। साथ ही प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए एयरपोर्ट परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। एयरपोर्ट प्रशासन का मानना है कि यह कार्यक्रम यात्रियों के लिए एक यादगार अनुभव बनेगा और किशनगढ़ एयरपोर्ट को पर्यटन, व्यापार और सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार में नई पहचान दिलाएगा। यात्रा सेवा दिवस पर टर्मिनल बिल्डिंग में स्कूली बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता होगी, जिसमें बच्चे पर्यावरण संरक्षण और न्यू इंडिया जैसे विषयों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। यात्रियों और आगंतुकों को स्थानीय संस्कृति से जोड़ने के लिए मारवाड़ी लोक नृत्य की प्रस्तुति दी जाएंगी। इसके अलावा जनकल्याण की सोच के तहत ब्लड डोनेशन कैंप भी लगाया जाएगा और यात्रियों से सेवा संबंधी फीडबैक लेकर एयरपोर्ट की सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा।

सरकार की लापरवाही से आमजन परेशान : विधायक चौधरी

मदनगंज-किशनगढ़(निसं)। विधायक विकास चौधरी के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्त्ताओ ने कानून व्यवस्था सहित फसल मुआवजा, पानी, सीवरेज व सड़को की दुर्दशा को लेकर उपखंड कार्यालय का घेराव कर राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विधायक चौधरी ने कहा कि भजनलाल सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है।

कानून व्यवस्था का हाल बेहाल है, बीसलपुर बांध भरने के बावजूद चार पांच दिन के अंतराल से जलापूर्ति की जा रही है, सीवरेज की वजह से शहरी क्षेत्र के सभी वार्डो में सडके टूट चुकी है, पिछले दो साल से अत्यधिक बरसात से फसल नष्ट हो चुकी, मुआवजा देने के बजाय किसानो को गुमराह किया जा रहा है। विधायक विकास चौधरी ने कहा नगर परिषद में व्याप्त भ्रष्टाचार से आमजन आहट है, गरीबो को पट्टे नहीं दिये जा रहे। सफाई व्यवस्था पुरी तरह बिगड चुकी है। मुलभुत सुविधाओं से वंचित प्रत्येक तबका अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है।

उन्होंने कहा सभी प्रमुख सड़के क्षतिग्रस्त हो चुकी है, गड्डों में जलभराव से लगातार घटनाएं हो रही व राहगीर आवागमन से परेशान है। विधायक विकास चौधरी ने कहा किसानों की फसले पूर्ण रूप से नष्ट हो चुकी है, इसके उपरांत राजस्व विभाग कर्मियों द्वारा बीमा कंपनियों से मिलीभगत कर गिरदावरी के नाम पर खानापूर्ति की जा रही है। बीमा कम्पनियो द्वारा किसानों से फसल बीमा के नाम पर मोटी रकम वसूल कर ली जाती है, किंतु फसलें खराब होने पर दो-दो साल तक किसानों को मुआवजा का भुगतान नहीं किया जा रहा। जिला परिषद सदस्य जगदीश गौरा, ब्लॉक अध्यक्ष मोहित खंडेलवाल, नेता प्रतिपक्ष हमीदा बानो, आजम कुरैशी, किशनलाल कटसुरा, एडवोकेट प्रमोद शर्मा, रामनिवास किराडिया, रामस्वरूप भड़ाना, मदन जाजोरिया, जगदीश जीनगर, श्रीराम गोंडेश्वर, रूपसिंह ढाणी राठौड ने भी अपने विचार व्यक्त किये। करीब तीन घंटे तक विरोध प्रदर्शन करने के बाद उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा। इस दौरान जिला परिषद सदस्य गणेश गुर्जर, मंडल अध्यक्ष समनुर भुट्टो, रामस्वरूप, मंडल अध्यक्ष रामधन माली, रतन घस्बा, हरिप्रसाद रेगर, कैलाश सेन, पार्षद महेंद्र यादव, रफीक मोहम्मद, रामसिंह मीणा, नसीम अहमद, गोवर्धन मेघवंशी, रंजीत चौधरी, मनमोहन शर्मा, पूर्व उपसभापति विपेंद्र सिंह, युवा कांठोस ब्लॉक ब्लॉक अध्यक्ष कमल डीडवानिया, दीपक बिरला, चेतन काला, मदन मेघवाल, राजू चुंडीवाल, राधेश्याम वैष्णव, विशंभर वैष्णव, तेजपाल बजाड सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

टोडरमल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com,
Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749

क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2025-26/ दिनांक :-

ई-निविदा सूचना संख्या 33/2025-26

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यों अनुमानित लागत राशि 208.75 लाख की ई-निविदा दिनांक 26.09.2025 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट (http://eproc.rajasthan.gov.in) एवं (http://sppp.raj.nic.in) http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।

UBN No. :- AJD2526WSOB00144 - 46

अधिशाषी अभियन्ता अजमेर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/25/10155

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़, जिला अजमेर (राज.)

क्रमांकः-नपकि/अन्यकर/2025/223 दिनांकः- 12.09.2025

आपत्ति विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि डेयरी बुथ आवंटन हेतु निम्न आवेदक ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तिया/कारण/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें, अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं आवेदक के पक्ष में डेयरी बुथ आवंटन की स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

क्र.सं.	प्रार्थी का नाम व पता	स्थान जंहा के लिए आवेदन किया है।
1.	श्रीमती नीतू प्रजापति पत्नी श्री गणेश कुमार प्रजापति, नायको का मौहल्ला, सरवाडी गेट, किशनगढ़।	कम्यूनिटी पार्क के बाहर, मझेला रोड, किशनगढ़।
2.	श्रीमती सुरज देवी पत्नी श्री बालचन्द प्रजापति, नायको का मौहल्ला, सरवाडी गेट, किशनगढ़।	नगर परिषद गेराज के बाहर, सिलोरा रोड, किशनगढ़।
3.	श्रीमती दुर्गा अध्याणा पत्नी श्री सुरेश गुर्जर, शिवाजी नगर, मदनगंज किशनगढ़।	वाई.एन. हॉस्पिटल के बाहर, सिटी रोड, किशनगढ़।

राज.संवाद/सी/25/10102 आयुक्त

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY DELHI
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान)
(An autonomous Institute under the aegis of Ministry of Education (Shiksha Mantralaya), Govt. of India)
Plot No. FA7, Zone P1, GT Karnal Road, Delhi-110036, INDIA
दूरभाष/Tele: +9111-33861000, वेबसाईट/Website: www.nitdelhi.ac.in

F.No. : NITD/01/Admn/625/2025-26 Dated: 16.09.2025

विज्ञापन संख्या - 14/2025
फैकल्टी पदो की भर्ती

एनआईटी दिल्ली के विभिन्न विभागों में विभिन्न वेतन स्तरों पर फैकल्टी पदों पर भर्ती के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते है। आरक्षण भारत सरकार के मानदंडों के अनुसार लागू होगा।
पात्रता मानदंड, विभागवार रिक्तियां, वेतन स्तर और अन्य प्रासंगिक निर्देशों के बारे में विस्तृत जानकारी संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट www.nitdelhi.ac.in पर उपलब्ध है।
- ऑनलाइन आवेदन पोर्टल 18.09.2025 से 17.10.2025 तक खुला रहेगा।
- विधिवत भरे हुए और हस्ताक्षरित आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी, सभी अपेक्षित स्व-सत्यापित सहायक दस्तावेजों के साथ 31.10.2025 को या उससे पहले (शाम 5.00 बजे तक) संस्थान में पहुंच जानी चाहिए।

CBC 21275/12/0032/2526 ह./- रजिस्ट्रार

यह अच्छा लगता है और स्वर्ण पदक जीतना अपने आप में बेहद खुशी की बात है। मेरे कोच ने मेरे खेल को बेहतर बनाने में मेरी बहुत मदद की है। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं।" – जैसमीन

भारतीय मुक्केबाज, विश्व चैम्पियन में सफलता हासिल करने पर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶ **नीरज चोपड़ा**

नीरज चोपड़ा बुधवार को टोक्यो के नेशनल स्टेडियम में पुरुषों के भाला फेंक क्वालीफायर में भाग लेकर विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत करेंगे। फाइनल गुरुवार को होगा। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में नीरज चोपड़ा की भाला फेंक स्पर्धा, क्वालीफायर और फाइनल दोनों, भारत में लाइव स्ट्रीमिंग और लाइव टेलीकास्ट पर देखने के लिए उपलब्ध होंगे। टोक्यो 25 में नीरज चोपड़ा का पाकिस्तानी प्रतिद्वंद्वी अरशद नदीम से मुकाबला मुख्य आकर्षणों में से एक होगा।

क्या आप जानते हैं ?... टीम इंडिया एशिया कप की सबसे सफल टीम है। भारतीय टीम ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के खिताब पर आठ बार कब्जा जमाया है।

साउथ पवेलियन को लेकर एमएनआईटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग का सनसनीखेज खुलासा

भविष्य में अगर साउथ पवेलियन में कभी कोई हादसा हुआ तो उसके लिए राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना जिम्मेदार : प्रो. भारती

सिर्फ एक 'स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट' के भरोसे 700 + लोगों की जिन्दगी दाव पर लगा दी राजस्थान रॉयल्स ने

स्पोर्ट्स काउंसिल से एमएनआईटी का कोई लेना-देना नहीं है

एमएनआईटी द्वारा सिर्फ सात मैचों के लिए अलग-अलग स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट दिया गया था, एनओसी नहीं दी

जयपुर, 16 सितम्बर। एमएनआईटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एस डी भारती ने साउथ पवेलियन के निर्माण ओर सुरक्षा मानकों को लेकर खुलासा करते हुए बताया कि आईपीएल मैचों में जयपुर के एसएमएस स्टेडियम के साउथ पवेलियन में सीटिंग बढ़ाने को लेकर निर्माण कार्य किया था और एमएनआईटी विभाग में राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन की ओर से राजीव खन्ना ने फीस जमा करा कर निर्माण कार्य की सुरक्षा मानकों को लेकर एमएनआईटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग को कहा था। उस वक्त हमारी टीम ने साउथ पवेलियन का दौरा किया लेकिन उस निर्माण को देखकर मैने राजीव खन्ना को कहा था कि एनओसी देना तो दूर की बात है, मेरे ऑफिस में भी कदम मत रखना। इतना घटिया निर्माण मैने नहीं देखा था। साउथ पवेलियन के निर्माण में कई तरीके की खामियां नज़र आ रही थीं। लेकिन राजीव खन्ना ने पहले भी एमएनआईटी की सेवा ली हुई थी और क्रिकेट प्रेमियों की खातिर जयपुर में होने वाले आईपीएल मैचों को लेकर मैने कुछ शर्तें रखी कि साउथ पवेलियन में सीट बाय सीट दर्शक ही बैठ सकेंगे। उनके अलावा कोई खड़ा या बैठ कर मैच नहीं देख सकता है, साथ ही साउथ पवेलियन कितना वजन सहन कर सकता है उससे ज्यादा दर्शक नहीं आ सकते हैं। दूसरी शर्त यह थी कि एमएनआईटी द्वारा सिर्फ़ हर मैच का अलग अलग इवेंट स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट दिया जाएगा, एनओसी नहीं दी जाएगी। एनओसी का नहीं देने का कारण बताते हुए प्रोफेसर एस डी भारती ने कहा कि एमएनआईटी द्वारा राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना को अगर एनओसी सर्टिफिकेट दे दिया जाता ओर राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना द्वारा साउथ पवेलियन पर बताए गए वजन से ज्यादा दर्शक बिठा दिए जाते, उसके बाद कोई हादसा हो जाता तो उस हादसे की सारी जिम्मेदारी एमएनआईटी सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सिर पर फोड़ दी जाती। सरकार और हादसे में

घायल होने वाले खिलाड़ियों, दर्शकों के परिवार को जवाब तो एमएनआईटी को देना पड़ता। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना तो एमएनआईटी द्वारा एनओसी सर्टिफिकेट सरकार और मीडिया को दिखाते कि एमएनआईटी ने आईपीएल मैचों को लेकर निर्माण कार्यों को पूरी तरह से वैध बताया था तभी तो हमने मैचों का आयोजन किया था। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना ने साउथ पवेलियन में सीटिंग बढ़ाने को लेकर निर्माण कार्य किया वो घटिया था ही, साथ ही लोहे का स्ट्रक्चर बनाया था वो उससे भी अधिक खराब स्थिति में था। जब हमने लोहे के स्ट्रक्चर को देखा और जांच करी तो हमने पाया कि लोहे को आपस जोड़ने वाली वेल्डिंग भी जगह- जगह से टूटी ओर सही जुड़ी हुई नहीं थी। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना ने वेल्डिंग करने वाले कारीगर भी नौसीखिए लगा रखे थे। आखिर में मैने ही राजीव खन्ना के कहने पर दूसरा वेल्डर बुलवाकर वेल्डिंग सही तरीके से करवाई। साथ ही लोहे की प्लेट को मोड़कर वेल्डिंग किए गए जगह पर अलग से लगवाया ताकि लोहे के स्ट्रक्चर में मजबूती आए। भूकंप को मापने वाला मीटर लगाकर छत पर टेस्ट किया गया था जिससे यह पता चल सके कि मैच के दौरान अगर कोई भूकंप आया तो उससे साउथ पवेलियन में बैठे हुए दर्शकों के साथ साथ कैमरामैन, ऑफिस के कर्मचारी, कोच, खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार का नुकसान या हादसा नहीं हो। यह एक अस्थाई निर्माण कार्य था जो कि इस समय भी तक साउथ पवेलियन से हटाया नहीं गया है, ताज्जुब कि बात है। ये कभी भी किसी होने वाले हादसे को न्योता दे सकता है। बरसात में पानी छत पर भरना और फोर्सिलिंग गिरना तो तय था क्योंकि लोहे के स्ट्रक्चर पर कोई टीन शेड्स या छत नहीं थी, साथ ही छत पर पानी निकासी का कोई भी इंतेज़ाम नहीं था। एमएनआईटी द्वारा हर मैच से पहले सुरक्षा मानकों को लेकर हर तरह से जांच करने के बाद ही हर मैच का स्ट्रक्चर स्टेबिलिटी सर्टिफिकेट दिया जाता था। क्रिकेट प्रेमी आईपीएल मैचों का आनंद लेने जाते थे लेकिन हमारी टीम हर मैच की सुरक्षा प्रणाली को पूरी तरह बताए हुए शर्तों को देखते थे। हमने तो कैमरामैन के साथ दो तीन लोगों से ज्यादा एक आदमी भी नहीं जाने ओर खड़ा रहने नहीं दिया था।

आईपीएल मैच खत्म हमारा काम खत्म

जयपुर, 16 सितम्बर। सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा हर मैच को लेकर निर्माण कार्यों को पूरी तरह से जांच करने के बाद ही सर्टिफिकेट दिया गया था लेकिन आईपीएल मैच खत्म हमारा काम खत्म। सात मैचों के बाद साउथ पवेलियन में क्या होता है क्या नहीं हमारा कोई लेना देना नहीं? साउथ पवेलियन कल का गिरता आज गिरे। इससे एमएनआईटी का कोई लेना देना नहीं है।

सहारा जिनसे था, वही अब खामोश हैं, कहते हैं- तेरा यहां कोई नहीं...

जयपुर, 16 सितम्बर। सहारा जिनसे था, वही अब खामोश हैं, कहते हैं- तेरा यहां कोई नहीं...। राजस्थान में कई कहावतें ऐसी बनी हुई हैं जो कि समय समय पर इंसान पर फिट बैठती हुई नज़र आती है।इस समय ये कहावत राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना पर फिट बैठती है। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना ने साउथ पवेलियन में सीटिंग बढ़ाने को लेकर निर्माण कार्य करवाया था उसमें कई खामियां साफतौर पर दिखी जिसकी लीपापोती राजस्थान रॉयल्स की ओर से करवाई जा रही

है। इन सबके बीच एमएनआईटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एस डी भारती एवं स्पोर्ट्स काउंसिल के चेयरमैन नीरज के पवन द्वारा अपने आप को बचाकर साफगोई से बच कर निकलने वाली गली ढूंढ़कर सारा घटनाक्रम का ठीकरा राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना पर फोड़ दिया है। अब अगर भविष्य में कोई दुर्घटना या दर्शकों की जानमाल को नुकसान पहुंचा तो इसकी कीमत राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन और उपाध्यक्ष राजीव खन्ना को चुकानी पड़ सकती है।

नीरज पवन ने पहले ही कहा था कि निर्माण करने वाले होंगे जिम्मेदार

नीरज कुमार पवन ने पहले ही कहा था कि राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन द्वारा सवाई मानसिंह स्टेडियम में जो निर्माण कार्य किया जा रहा था। वहां सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी, वहां काम कर रहे लोगों ने सुरक्षा उपकरण तक नहीं पहन रखे थे। ऐसे में अगर किसी भी तरह का हादसा या दुर्घटना होती है तो निर्माण कार्य करने वाले लोग ही उसके लिए जिम्मेदार होंगे। वहां काम कर रहे लोगों को सुरक्षा मानकों की पालना के निर्देश दिए थे।

// यह है साउथ पवेलियन का मामला //

इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले के दौरान राजस्थान रॉयल्स ने सवाई मानसिंह स्टेडियम के रिनोवेशन के लिए 9 करोड़ 85 लाख खर्च किए थे। इसमें लगभग 2 से 3 करोड़ रुपए का खर्चा साउथ ब्लॉक को फिर से तैयार करने के लिए किया गया था। 11 अप्रैल को ये पूरा हुआ था। रिनोवेशन के लिए जो राशि राजस्थान रॉयल्स ने खर्च की थी। खेल परिषद द्वारा उसका भुगतान राजस्थान रॉयल्स को किया जा चुका है। लेकिन स्टेडियम में साउथ ब्लॉक पहली बारिश ही नहीं झेल पाया है। जिससे सरकार के करोड़ों रुपए बर्बाद हो गए है। ग्राउंड फ्लोर पर बने हॉल और दोनों ड्रेसिंग रूम में डक्टिंग के माध्यम से पानी फर्श पर भर रहा है। फर्स्ट फ्लोर पर बने हॉल की फॉल सीलिंग गिर चुकी है। उस पर लगी सभी लाइट्स लटक

गई है। वुडन फ्लोरिंग भी पूरी तरह से खराब हो चुकी है। शेन वॉर्न गैलरी पर कैमरा पर्सन के लिए बने लोहे के स्ट्रक्चर पर पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। शेन वॉर्न गैलरी का ड्रेनेज सही नहीं होने के कारण पानी का निकास व्यवस्थित नहीं है।

आरसीए द्वारा आयोजित अंडर-23 टूर्नामेंट में दौसा की टीम ने प्रतापगढ़ को हराया

दौसा, 16 सितम्बर। जिला क्रिकेट संघ दौसा के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर 23 टूर्नामेंट में दौसा का दूसरा मुकाबला प्रतापगढ़ से था जिसमें दौसा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 269 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए प्रतापगढ़ की पूरी टीम 109 रनों पर 29.1 ओवर में ढेर हो गई। दौसा की ओर से देवकृत शर्मा ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 147 बॉल पर 147 रन बनाए इसके अलावा लीलाधर मीणा ने 49 बॉल पर 42 रन बनाए दौसा की ओर से गेंदबाजी में विशाल सिंह राठौड़ ने 37 रन देकर चार विकेट, ध्रुव कुमार सेठी ने 24 रन देकर दो विकेट, प्रदीप कुमार सैनी ने 15 रन देकर 2 विकेट लिए। दौसा की टीम जीतने पर डीसीए के पदाधिकारियों रतन चंद एडवोकेट, शिवचरण शर्मा एडवोकेट, हीरा लाल सैन आदि ने बधाई दी। सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि दौसा की टीम का पहला मैच झुंझुनू से था जिसमें दौसा को हार मिली थी।

समीर गोरा के ऑलराउंड प्रदर्शन से जीती एनसीसी क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 16 सितम्बर। अंडर-13 पिंकसिटी कप में एनसीसी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 37 ओवर में 169 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। समीर गोरा ने 73 और ओम चौरसिया ने 50 रनों का योगदान दिया। केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी की ओर से मयंक और वंश ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केबी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी 28 ओवर में 93 रन पर ऑल आउट हो गई। एनसीसी क्रिकेट अकादमी की ओर से रुद्र ने 4 और समीर गोरा ने तीन विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच समीर गोरा को चुना गया।

देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी जीती

अंडर-13 पिंकसिटी कप में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 162 रन 8 विकेट के नुकसान पर बनाएं! कौशलेंद्र ने 31, दिवित ने 25 और समर्थ ने 21 रनों का योगदान दिया। अरावली क्रिकेट अकादमी की ओर से लखन, रामनिवास और हर्षित ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अरावली क्रिकेट अकादमी 39.5 ओवर में 155 रन पर ऑल आउट हो गई। सूर्यांश ने 36, रामनिवास ने 31 और प्रखर गुप्ता ने 24 रनों का योगदान दिया। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से जयदीप यादव, यशवर्धन सक्सेना और अभी राजपूत ने दो- दो विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच कौशलेंद्र सिंह को चुना गया।

राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रति. हेतु करौली जिला टीम का चयन

जयपुर, 16 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में आयोजित राज्य स्तरीय अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली करौली जिला क्रिकेट टीम का चयन राजस्थान सीनियर चयन कमेटी ने आज आरसीए अकादमी पर आयोजित ओपन चयन ट्रायल में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया। चयनित करौली जिला टीम :- हिमेश सिंह गुर्जर, गर्वित सरसवाल, अमित कुमार भारद्वाज, मो. गाज़ी खान, राजवीर मीना, आशू शर्मा, सचिन गुर्जर, नितिन सिंघल, विकास कुमार, अमन, सौरव सिंह, अंकित जाट, सुमित कुमावत, मो. जिशान, सिद्धीक खान, विक्की कोहली, पुलकित गुप्ता, मोहित नागर।

पीकेएल-12 : बंगाल वारियर्स ने यूपी योद्धाज को हराया

जयपुर, 16 सितंबर। बंगाल वारियर्स ने अपने हरफनमौला खेल की बदौलत सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को प्रो खेले गए कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 35वें मुकाबले में यूपी योद्धाज को 41-37 से हरा दिया। यह लगातार चार हार के बाद बंगाल की पहली जीत है जबकि यूपी को दो जीत के बाद लगातार चौथी हार मिली है। बंगाल को जीत की पटरी पर लाने का श्रेय देवांक (17) को जाता है। मनप्रीत (5) ने उनका अच्छा साथ दिया और डिफेंस में आशीष ने हाई-5 के साथ यूपी की कमर तोड़ दी। यूपी के लिए गगन गौड़ा ने सात और गुमान सिंह ने पांच अंक लिए। डिफेंस में हितेश और आशू ने चार-चार अंक लेकर शुरुआत में देवांक पर लगाम लगाया लेकिन बाद में वे आजाद हो गए। देवांक के खिलाफ सावधानी बरतते हुए यूपी की टीम ने चार मिनट की समाप्ति तक 3-2 की लीड ले रखी । इस बीच गुमान सेल्फ आउट हुए और इस तरह स्कोर 3-3 हो गया।

अंतर्राष्ट्रीय जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में राजस्थान के शुभम का चयन

जयपुर, 16 सितम्बर। भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ द्वारा काइरो मिश्र में दिनांक 18-21 सितम्बर 2025 तक आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने वाले भारतीय दल में राजस्थान के शुभम कुमार का चयन किया गया है। सचिव, राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक संघ, परमेश्वर प्रजापत ने बताया इस प्रतियोगिता में भारत से सात सदस्यीय दल भाग ले रहा है, जिसमें श्री शुभम कुमार को अवसर मिला है। शुभम कुमार इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए जोधपुर से रवाना हो कर मुंबई से भारतीय दल के साथ मिश्र के लिए प्रस्थान करेंगे। शुभम कुमार को जोधपुर रेलवे स्टेशन से शुभ कामनाओं के साथ विदाई दी गयी, इस अवसर पर शुभम कुमार के परिजनों सहित अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक, विशाल मिश्रा, जिला जिम्नास्टिक्स संघ जोधपुर के उपाध्यक्ष अरुण शर्मा, परमेश्वर प्रजापत ने भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ के पूर्व सचिव कान सिंह राठौड़, प्रशिक्षक भवानी सिंह व राजस्थान के जिम्नास्टिक परिवार की ओर से बधाई दी गयी एवं इस अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मैडल प्राप्त कर राजस्थान को गौरवान्वित करने की आशा जताई गई।

अपोलो टायर्स बना भारतीय क्रिकेट टीम का नया प्रायोजक, 579 करोड़ में हासिल किये अधिकार

मुंबई, 16 सितम्बर। अपोलो टायर्स ने 579 करोड़ रुपये की शानदार बोली लगाकर त्रिकोणीय मुकाबले में जीत हासिल करते हुए भारतीय टीम के प्रायोजन अधिकार हासिल कर लिए हैं। यह प्रायोजन सौदा तीन साल का है और इसमें 121 द्विपक्षीय मैच और 21 आईसीसी मैच शामिल हैं।

100 से ज्यादा देशों में मौजूदगी वाली गुड़गांव स्थित इस टायर कंपनी ने कैनवा और जेके सीमेंट्स की चुनौतियों को मात दी, जिन्होंने क्रमशः 544 करोड़ रुपये और 477 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। यह सौदा प्रति मैच लगभग 4.77 करोड़ रुपये का बैठता है, हालांकि द्विपक्षीय और आईसीसी मैचों के बीच मूल्य अंतर को देखते हुए इसमें थोड़ा अंतर हो सकता है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा निर्धारित आधार मूल्य द्विपक्षीय मैचों के लिए 3.5 करोड़ रुपये और विश्व कप मैचों के लिए 1.5 करोड़ रुपये था। सभी रियल मनी गेमिंग कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने वाले सरकारी आदेश द्वारा ड्रीम11 सौदे को रद्द करने के बाद बीसीसीआई को एक नए प्रायोजक के लिए निविदाएं जारी करनी पड़ीं। एशिया कप के करीब आने वाले सरकारी आदेश के साथ, बीसीसीआई को संयुक्त अरब अमीरात में चल रही महाद्वीपीय चैंपियनशिप में भारतीय टीम के लिए जर्सी प्रायोजक के बिना जाना पड़ा।

नए प्रायोजकों को पहला अंतरराष्ट्रीय लाभ 2 अक्टूबर से शुरू होने वाली वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला में मिलेगा, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया में एक सफेद गेंद की श्रृंखला होगी। हालांकि, इससे पहले, नए प्रायोजक का लोगो भारत ए और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की 50 ओवरों की श्रृंखला के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा। समझा जाता है कि बीसीसीआई ने चयनकर्ताओं को भारत ए वनडे टीम का चयन जल्दी करने के लिए कहा है ताकि 30 सितंबर, 2 और 5 अक्टूबर को कानपुर में होने वाले मैचों के लिए जर्सी तैयार की जा सकें। तीनों मैचों के लिए भारत-ए टीम की घोषणा 14 सितंबर को की गई थी।

मंगलवार को मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में बोली प्रक्रिया में भाग लेने वाली कंपनियों के अलावा, उत्तर प्रदेश स्थित शंक एयर और दुबई स्थित ओमनीयत ने भी आईटीटी दस्तावेज खरीदकर रुचि दिखाई थी। हालांकि, वे बोली लगाने के लिए उपस्थित नहीं हुए। पता चला है कि मुंबई स्थित डब्ल्यूपीपी मीडिया ने अपोलो के मूल्यांकन और सफल बोली की देखरेख की थी। बोली लगाने से पहले, उद्योग बीसीसीआई की निविदा पर प्रतिक्रिया को लेकर संशय में था।

जयपुर और ऑल स्टार पोलो टीमें जीती

जयपुर, 16 सितम्बर। कैवेलरी पोलो ग्राउंड परखेले गए पोलोमैच ऑल स्टार पोलो टीम ओर मेफेयर पोलो टीम के बीच खेला गया जिसमें ऑल स्टार पोलो टीम ने मेफेयर पोलो टीम को 7 के मुकाबले 8 गोल से हराया। ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से रघुराम हरि ने 1, मतिहास ने 2 ओर ध्रुवपाल गोदारा ने अपनी टीम के लिए 5 गोल किए। वहीं मेफेयर पोलो टीम की ओर से प्रणव कपूर ने 1, सवीर मेहराज ने 2ओर शमशीर अली ने 4 गोल किए। दूसरा मैच रामबाग पोलो ग्राउंड पर अरावली पोलो टीम ओर जयपुर टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर टीम ने अरावली पोलो टीम को 4के मुकाबले 7 गोल से हराया। अरावली पोलो टीम की ओर से जुआन मार्टिन ने 1, हुर्र अली ने 2 ओर कुलदीप सिंह ने 1 गोल किया। वहीं जयपुर टीम की ओर से महाराज पद्मनाभ सिंह ओर अंगद कलान ने 2- 2 गोल, लांस वाटसन ने 3 गोल कर अपनी टीम को जीताया।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/NIT/Const./2025/ 11603 Date : 12-09-2025

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 33/2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date 23-09-2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – 1.- DLB2526WSOB18130

Commissioner
Municipal Board Nathdwara

Raj.Samwad/C/25/10122

कार्यालय नगर परिषद्, बाड़मेर (राज.)

(सिटी कोतवाली के पास स्टेशन रोड गांधी चौक बाड़मेर, पिनकोड़-344001)
टेलीफोन :- 02982220098 ई-मेल mbbarmerraj@gmail.com

क्रमांक प. ( ) विद्युत /2025/4977 दिनांक 11.09.2025

ई-निविदा सूचना

नगर परिषद बाड़मेर में विभिन्न विद्युत कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की गई है। निविदा सम्बन्धी जानकारी व अन्य शर्ते परिषद कार्यालय एवं पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर UBN नं DLB2526WSOB18084 जरीये देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/10175 आयुक्त, नगर परिषद, बाड़मेर

OFFICE MUNICIPAL COUNCIL CHOMU (JAIPUR)

Tel-01423-220036 e-mail:chomu.jaipur@yahoo.com

Sr. No. : NPC/2025/1805 Date : 15.09.2025

Notice Inviting Bid

Bids for "Driver/Operator Supply For Garbage Collection Work In Nagar Parisad Area Chomu" are invited interested bidders upto 06.00 PM on 15.09.2025 Dated. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. Bid Value are 60 Lacs Annual.

NIB CODE : DLB2526A5933 & UBN NO. : DLB2526SLOB18288

Raj.Samwad/C/25/10190 COMMISSIONER

कार्यालय नगर परिषद्, जैसलमेर (राज.) 345001

क्रमांक/विकास/2025-26/4125 दिनांक :- 12.09.2025

निविदा सूचना संख्या 08/2025-26

NIB Code-DLB2526A5850

नगर परिषद् जैसलमेर की ओर से नगर परिषद् जैसलमेर में उपयुक्त श्रेणी व अन्य विभागों में "ए" व 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से उपरोक्त कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। उक्त कार्यो के यू.बी.एन. नं. DLB2526WSOB17934, 17937 है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/10179 नगर परिषद् जैसलमेर

कार्यालय नगरपरिषद झालावाड़ (राज0)

क्रमांकः न0परि0झा0/राजस्व/2025/3583 दिनांकः 12.09.2025

-: ई-निविदा सूचना :-

NIB No. – DLB2526A5925
UBN No. DLB2526SLOB18275

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में संबंधित व्यवसायिको, आपूर्तिकर्ताओ एवं पंजीकृत ठेकेदारो से नगरीय क्षैत्र मे तहबजारी वसूली का कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा फार्म ऑन लाईन दिनांक 17.09.2025 से 26.09.2025 को दोपहर 2.00 बजे तक अपलोड किये जा सकेंगे। ऑनलाईन निविदायें डीडी जमा कराने की तिथि 26.09.2025 को सांय 4.00 बजे तक रहेगी। तकनीकी बिड खोलने की दिनांक 29.09.2025 प्रातः 11.00 बजे खोली जावेगी। अन्य शर्ते कार्यालय में कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/10197 सभापति नगरपरिषद झालावाड आयुक्त नगरपरिषद झालावाड

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) भगत की कोठी, जोधपुर

पता : बासनी प्रथम फेस, भगत की कोठी, जोधपुर - 342005 (दूरभाष नम्बर - 0291-2721748)
Email ID : kums.bhagatkikothi@rajasthan.gov.in / Website : www.rsamb.rajasthan.gov.in

क्रमांक :- प( ) BKT/आवंटन/2025-26/राजकाज 17789104 दिनांक :- 15/09/2025

आवंटन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय की विज्ञप्ति क्रमांक 377 दिनांक 06.07.2023 द्वारा मुख्य मण्डी प्रांगण भगत की कोठी, जोधपुर के अधिसूचित कृषि जिन्स व्यवसाय हेतु चिन्हित एवं रिक्त भूखण्ड तथा रिक्त दुकानो एवं गोदामों का आवंटन नीति, 2005 के बिन्दु संख्या- 7(1)(प)(प)(पप), 7(7), 7(अ), 7(8), 30, 35 एवं बिन्दु संख्या- 16(6), 18(1)(2), 38 के यथा समय संशोधनों के अन्तर्गत द्वितीय चरण में खुली लोटरी प्रक्रिया से आवंटन किये जाने हेतु आवंटन समिति की बैठक दिनांक 26.09.2025 को दिन के 02.00 बजे आयोजित की गई है, भूखण्डो एवं दुकानो/गोदामो के आवंटन की कार्यवाही जन समूह के बीच की जायेगी, इस कार्यक्रम में पारदर्शिता के लिए आप सभी व्यापारीगण एवं कृषक वर्ग के आवेदको एवं सर्व साधारण की उपस्थिति प्रार्थनीय है, सो सभी सूचित हो कर उपस्थित होवें।

राज.संवाद/सी/25/10164 सचिव

कार्यालय नगर पालिका छबडा जिला बारां (राज0)

E Mail ID-npchhabra5@gmail.com Phone No-07452-222025

क्रमांक :- न0पा0छ0/2025/4282 दिनांक :- 12.09.2025

-:: निविदा सूचना ::-

NIB CODE-DLB2526A5807

नगरपालिका छबडा द्वारा निम्न कार्य हेतू अनुमानित लागत 48.00 लाख रूपये से उपयुक्त श्रैणी में स्वायत शासन विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनो/डाक दूर संचार विभाग रेल्वे इत्यादी में पंजिकृत संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत है से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है संवेदक ई-निविदा को पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर देख सकते है एवं पोर्टल www.eprocument.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है।

क्र.सं.	UBN NO
01	DLB2526WSOB17760

Sppp पोर्टल पर ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक	12.09.2025 को साय 4.00 बजे से
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निविदा प्रस्तुत करने की प्रारम्भ तिथि	12.09.2025 सांय 5 बजे से
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	24.09.2025 दोपहर 2 बजे तक
कार्यालय में दस्तावेज जमा कराने की तिथि	24.09.2025. सांय 4 बजे तक
ईप्रोक्योरमेंट पोर्टल पर प्राप्त तकनीकी बिड खोलने की तिथि	24.09.2025 सांय 5 बजे बाद

राज.संवाद/सी/25/10101 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका छबडा

कार्यालय नगर परिषद,दौसा (राजस्थान)

क्रमांक : न.प.दौ./2025-26/3366 दिनांक 12.09.2025

ई-निविदा सूचना संख्या/2025-26

नगर परिषद दौसा द्वारा निम्न कार्य कराये जाने हेतु सेवाओं (सफाई) में इच्छुक एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन दर संविदा हेतु निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.sppp.rajasthan.nic.in/ से Download/Upload की जा सकती है :-

निविदा के कुल कार्यों की संख्या	निविदा प्रकाशन तिथि	निविदा Download/ Upload करने की अंतिम दिनांक एवं समय	प्रोसेसिंग शुल्क, निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि भौतिक रूप में जमा कराने की दिनांक व समय	ऑनलाईन निविदा की बिड खोलने की दिनांक व समय	UBN No.
05	12.09.2025	22.09.2025 को 6:00 पीएम तक	23.09.2025 11:00 एएम तक	23.09.2025 दोपहर 2:00 बजे पश्चात्।	DLB2526SLRC17861, 17864, 17867, 17868, 17872

राज.संवाद/सी/25/10188 आयुक्त नगर परिषद, दौसा

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति ब्यावर

क्रमांक :- 984 - 90 दिनांक :- 15/09/2025

निविदा सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति ब्यावर के मुख्य मण्डी प्रांगण एवं फल-सब्जी मण्डी यार्ड तथा कार्यालय के दैनिक राजकीय कार्यो तथा मण्डी सुविधाओ हेतु वितीय वर्ष 2025-26 अथवा 1 वर्ष के लिये ठेका पद्वति पर कार्य करवाये जाने के लिये निम्नांकित व्यवस्थाओ एवं कार्यो के लिये पंजीकृत संवेदको/ठेकेदारो से मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र. सं.	नाम ठेका /निविदा	अनुमानित व्यय (लाख रूपये में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	धरोहर राशि	UBN NO.
01	सफाई व्यवस्था ठेका(फल-सब्जी व मुख्य मंडी अनाज यार्ड हेतु)	10.00	590/-	20,000/-	DAM2526WSRC000800
02	कम्प्यूटर हाईरिंग विद ऑपरेटर (अन्य संविदा व्यय)	9.00	590/-	18,000/-	DAM2526SSRC000801
03	प्रकाश व्यवस्था रखरखाव ठेका	1.00	590/-	2,000/-	DAM2526WSRC000802
04	वाहन सुविधा (खुली बोली)	0.50	....	1000/-	
05	जल व्यवस्था (खुली बोली)	0.20	....	400/-	

निविदा फार्म, निविदा प्रकाशित होने की तिथी से दिनांक 23.09.2025 तक को सांय 6.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है एवं धरोहर राशि मय आवेदन/निविदा फार्म दिनांक 24.09.2025 को दोपहर 12.00बजे तक जमा करवायी जा सकेगी। निर्धारित समय तक निविदा/धरोहर राशि प्राप्त नहीं होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा । निविदा दिनांक 24.09.2025 को दोपहर 1.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी । निविदा का प्रकाशन www.sppp.rajasthan.gov.in पर भी प्रकाशित की जा चुकी हैं । जिसका NIB CODE DAM2526A04838 है। अत : पोर्टल पर भी निविदा सम्बन्धित जानकारी यथा फार्म व शर्ते उपलब्ध हैं । जिन्हें डाउनलोड किया जा सकता हैं तथा डाउनलोड किये गये निविदा फार्म का शुल्क व सम्बन्धित निविदा की धरोहर राशि मण्डी कार्यालय में जमा करवाई जानी आवश्यक होगी । निविदा की कम संख्या 04 व 5 पर अंकित विवरणानुसार खुली निलामी द्वारा बोली दिनांक 24.09.2025 को शाम 05 बजे से लगाई जायेगी । इच्छुक बोलीदाता दिनांक 24.09.2025 दोपहर 12.00 बजे तक मय धरोहर राशि के साथ आवेदन प्रस्तुत करेगें । निर्धारित समय पश्चात आवेदन प्राप्त होने पर आवेदन पर विचार नही किया जायेगा। निविदा की शर्ते फार्म के साथ उपलब्ध होगी। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत/रद्द करने का अधिकार लोक उपापन समिति का होगा।

राज.संवाद/सी/25/10168 प्रशासक सचिव

'3200 मेगावाट कोल विद्युत परियोजना राजस्थान में लगेगी'

केन्द्र सरकार की एम्पावर्ड कमेटी ने इस प्लांट को स्थापित करने की अधिकृत मंजूरी दी

जयपुर, 16 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर निरंतर अग्रसर है। मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए दूरदर्शी निर्णयों और विभिन्न कदमों के परिणामस्वरूप प्रदेश की ऊर्जा उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री का एक और प्रयास रंग लाया है। केन्द्र सरकार की एम्पावर्ड कमेटी ने राज्य में 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना को स्थापित करने की मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री से इस परियोजना के बारे में मुलाकात की थी। इसकी स्थापना से राज्य में लगभग 40 हजार करोड़ रूपये का निवेश होगा। राजस्व में वृद्धि के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा दीर्घकालिक ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से केन्द्रीय कोयला मंत्रालय से इस परियोजना के लिए कोल लिंकेज का आवंटन किया था। उन्होंने केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहरलाल के समक्ष इस परियोजना के राज्य में स्थापित होने से अपेक्षित प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष आर्थिक, सामाजिक व तकनीकी लाभों पर पुरजोर तरीके से पक्ष रखा था। मुख्यमंत्री के इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्र सरकार की अधिकार प्राप्त समिति (एम्पावर्ड कमेटी) ने परियोजना को राजस्थान में ही स्थापित करने का निर्णय किया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार भविष्य की ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए बेस मांग पूर्ति हेतु कोयला आधारित परियोजनाओं के विकास पर भी विशेष ध्यान दे रही है। 3200 मेगावाट की कोल आधारित परियोजना की स्थापना से लगभग 40 हजार करोड़ का निवेश होगा, जिससे राज्य में राजस्व वृद्धि के साथ ही रोजगार के अवसरों का भी सृजन होगा।

राजेश्वर सिंह राज्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आई.ए.एस. राजेश्वर सिंह ने अपने करीब 35 वर्ष के सेवा काल में राजस्व मंडल अध्यक्ष, राजस्थान स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक के पद पर सराहनीय सेवाएं दी हैं। वे जयपुर, उदयपुर और भरतपुर के संभागीय आयुक्त भी रह चुके हैं। ग्रामीण विकास और पंचायतीराज विभाग तथा ट्राइबल एरिया डवलपमेंट में प्रमुख शासन सचिव तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर रहने के दौरान उनके कार्यों को काफी सराहना मिली। इससे पूर्व वे उपखंड अधिकारी माउंट आबू, जिला कलेक्टर जालौर व जयपुर भी रहे हैं। राजेश्वर सिंह मूल रूप से उत्तरप्रदेश के चन्दौली जनपद के निवासी हैं।

- 1989 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश्वर सिंह रेवेन्यू बोर्ड के चेयरमैन के पद से रिटायर हुए थे।

महेश जोशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका को खारिज कर दिया था। यह मामला केन्द्र सरकार की हर घर नल पहुंचाने वाली जल जीवन मिशन योजना से जुड़ा है। साल 2021 में श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी और मेसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र दिखाकर जलदाय विभाग से करोड़ों रुपए के टेंडर हासिल किए थे। घोटाले का खुलासा होने पर एसीबी ने मामले की जांच की थी, बाद में ईडी ने मामला दर्ज कर मार्च, 2024 को महेश जोशी को समन जारी कर तलब किया था। वहीं गत अप्रैल माह में ईडी ने महेश जोशी को गिरफ्तार किया था।

पाकिस्तान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुरुआत में पाकिस्तान ने कहा था कि युद्धविराम से पहले, युद्धविराम का प्रस्ताव उसके डीजीएमओ ने भारतीय समकक्ष को दिया था, लेकिन बाद में इसका श्रेय वॉशिंगटन को दे दिया। अगस्त में मुनीर एक बार फिर वॉशिंगटन पहुँचे, जहाँ उन्होंने सेंटकॉम कमांडर जनरल माइकल ई. कुरिल्ला की विदाई और एडमिरल ब्रैड कूपर के पदभार ग्रहण समारोह से पहले कई बैठकें कीं। इसी दौरान उन्होंने चेयरमैन जॉइंट चीफ़्स ऑफ़ स्टाफ जनरल डैन कैन से भी मुलाक़ात की। हाल ही में पाकिस्तान ने अमेरिका से 500 मिलियन डॉलर का निवेश हासिल किया है, जो पाकिस्तान के अहम खनिज क्षेत्र में लगाया जाएगा।

सरिस्का में बाघिन नवजात शावक के साथ दिखी

वन विभाग ने दर्शनार्थियों को करणी माता मेले में मंदिर दर्शन तक सीमित रहने की सलाह दी

अलवर, 16 सितम्बर (निसं)। सरिस्का बाघ अभयारण्य के बफर जोन में अब फिर खुशी आई है। अलवर में करणी माता मंदिर के पास बाघिन एसटी-2302 एक ने शावक को जन्म दिया है। अब अलवर सरिस्का बफर जोन में बाघों की संख्या 49 हो गई है। वहीं, शहर के निकट बाला किला के जंगलों में इस बाघिन के विचरण करने से करणी माता के मेले में आने वाले भक्तों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं, क्योंकि छोटे बच्चे के साथ होने से बाघिन कभी भी हिंसक रूप धारण कर सकती है। आगामी 22 सितंबर से नवरात्रा स्थापना हो रही है और नौ दिनों तक माता के मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है। वहीं, अलवर के बाला किला स्थित करणी माता मंदिर में लाखों की संख्या में भक्त माता के दर्शनों को जाते हैं, ऐसे में वहां बाघिन का बच्चों के साथ विचरण करना खतरे से खाली नहीं है। सरिस्का के मुख्य वन संरक्षक संग्राम सिंह ने बताया कि कैमरा ट्रैप में बाघिन एसटी-2302 की लोकेशन करणी माता मंदिर की बावड़ी के पास आई है।

- अलवर के पास बाला किला स्थित करणी माता मंदिर के पास के जंगल में 10 टाइगर्स की मौजूदगी दर्ज की गई है। शावक के जन्म के बाद सरिस्का में बाघों की संख्या 49 हो गई है।

इंगलैण्ड ने अपना पूरा पिटारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहयोग पर चर्चा होगी। लेकिन उसका आधार बनाने के लिए विंडसर कासल और उसके मैदानों में शाही ठाठ-बाट और भव्य प्रदर्शन दिखाया जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति कासल ग्राउण्ड्स में लैण्ड कर रहे हैं, वहाँ पर ट्रंप घोड़ों से खींची जाने वाली राज्यगाड़ी में बैठेंगे। वहाँ तोपों की सलामी होगी और हॉर्स गार्ड उन्हें महल के प्रवेश द्वार तक ले जाएगा, जहाँ वेल्स के राजकुमार और राजकुमारी उनका स्वागत करेंगे। इस छोटी सी सवारी के दौरान, शाही बैंड "स्कॉटिश हाइलैंड लेडी" और अन्य धुनें बजाएँगे।

यह भव्य आयोजन ट्रंप की स्कॉटिश वंशावली को ध्यान में रखकर किया गया है। ट्रंप ने एक बार कहा था कि उनकी माँ महारानी एलिज़ाबेथ का राज्याभिषेक देखते हुए मंत्रमुग्ध हो गई थीं, जबकि उनके पिता ने बार-बार उनसे कार्यक्रम स्विच ऑफ करने को कहा था। तभी से ट्रंप अपनी माँ की तरह ब्रिटिश शाही परिवार और उनकी परंपराओं के प्रति आकर्षित रहे हैं।

राजपरिवार अपनी कला-संग्रह की कुछ वस्तुएँ भी दिखाएगा, जिनमें कई ऐसी हैं, जो औपनिवेशिक लूट के दौरान भारत और अन्य देशों से लाई गई थीं। कहा जाता है कि जब रॉबर्ट क्लाइव इंग्लैंड लौटा था तो उसने अपनी संपत्ति का जो प्रदर्शन किया था, उससे ब्रिटिश लॉर्ड्स चकित रह गए थे।

बाद में अपने महाभियोग के दौरान क्लाइव ने कहा था कि बंगाल के खज़ाने में जो असीम दौलत उसने देखी थी, उसकी तुलना में तो उसने लूटने में "बहुत संयम" बरता। उसके इस जवाब से लॉर्ड्स इतने प्रभावित हुए कि उसे उपाधि देकर "लॉर्ड रॉबर्ट क्लाइव ऑफ इंडिया" बना दिया गया। ऐसी कई दौलतें विंडसर कासल और अन्य जगहों पर शाही संग्रहालयों में पहुँचीं, जिन्हें कभी-कभी विदेशी मेहमानों को दिखाया जाता है। सालों पहले ट्रंप ने तत्कालीन राजकुमार चार्ल्स और राजकुमारी डायना की अपने गॉल्फ रिसॉर्ट "मार-ए-लागो" में मेज़बानी की थी। लेकिन चार्ल्स ने वहाँ रात बिताने के बजाय पास के घोड़े के फ़ार्म में रहना पसंद किया था, क्योंकि शाही परिवार को घोड़ों से विशेष लगाव है।

ट्रंप को घुड़सवारी का अवसर नहीं मिलेगा, जैसा कि एक पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रॉनल्ड रीगन को महारानी एलिज़ाबेथ के साथ मिला था।

फिर भी, यह राष्ट्रपति दौरा बिगड़ भी सकता है। ब्रिटेन के अमेरिका में राजदूत लॉर्ड पीटर मैनडेलसन को अचानक बर्ख़ास्त कर दिया गया, क्योंकि उनका नाम कुख्यात एप्स्टीन के बाल यौन शोषण मामले से जोड़ा गया था। मैनडेलसन ने ही ट्रंप की दूसरी राजकीय यात्रा का प्रस्ताव रखा था।

यह बेहद शर्मनाक है कि एक राजदूत को अपमानित कर वापस बुला लिया गया, जबकि साबित हो चुका है कि राष्ट्रपति खुद भी एप्स्टीन से जुड़े रह चुके हैं। अगर इस दौरे के अंत में संयुक्त प्रेस वार्ता में एप्स्टीन मामले पर सवाल उठे, तो यह पूरे शाही स्वागत की चमक फीकी कर सकता है और ट्रंप को बिल्कुल अलग मूड में ला सकता है।

भारतीय वायुसेना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादी मौलाना मसूद अज़हर ने कश्मीर में जिहाद का आ ान किया था। पिछले दो दशकों में यह संगठन भारत में अनेक आतंकी हमलों के लिए ज़िम्मेदार रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी मीडिया में खबर आई कि मसूद अजहर ने स्वयं एक बयान जारी कर यह माना कि इस भारतीय अभियान में उसके परिवार के 10 सदस्य मारे गए।

मसूद अजहर वर्षों से छिपा हुआ है। पाकिस्तानी राजनेता बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने दावा किया था कि इस्लामाबाद को उसके ठिकानों की कोई जानकारी नहीं है। जून में दिए एक इंटरव्यू में भुट्टो ज़रदारी ने कहा था कि अगर भारत यह जानकारी देता है कि वह पाकिस्तान की ज़मीन पर है, तो पाकिस्तान उसे "खुशी-खुशी" गिरफ्तार कर लेगा।

'जो भी भारत से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"ऑपरेशन" में इस्लामाबाद की जीत का जश्न मनाने के लिए कराची में उस समय एक रैली निकाली थी, जब भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। अफरीदी ने भारत पर टिप्पणी करने वाले "विशेषज्ञ" के रुप में एक नया करियर बना लिया है। वे कभी भारतीय मीडिया पर आतंकवाद को "बॉलीवुड की कहानी" बनाने का आरोप लगाते हैं, तो कभी दुबई में पुराने छात्रों की बैठकों में बिना बुलाए पहुँचकर भीड़ के बीच "हो गया बूम बूम" बोलकर मुस्कुराते नज़र आते हैं। हर कुछ महीनों में, चाहे कश्मीर समर्थक रैली हो, भारतीय सैनिकों पर तंज कसना हो या फिर मध्य-पूर्व से कोई नया उदाहरण खींच लाना हो, अफरीदी दुनिया को याद दिला देते हैं कि वे अब भी मौजूद हैं, चाहे क्रिकेट ने उन्हें भुला दिया हो। अब, एशिया कप हैंडशेक विवाद की पृष्ठभूमि में, अफरीदी ने नया मैदान तलाश लिया है, राहुल गांधी।

केन्द्रीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और अंत में तोमर के गढ़, मुरैना में जाकर कहा कि भाजपा पिछली विधानसभा में "सिर्फ आधी सीटें" जीत पाई। सबको पता था कि यह तीर किसकी तरफ़ छोड़ा गया है।

अब ताज़ा बैठक, जिसमें सिंधिया केन्द्र में रहे, सिलावट और तोमर ने उनका उत्साहवर्धन किया, में भरत सिंह कुशवाहा की गैरमौजूदगी ने साफ़ कर दिया कि भाजपा का गढ़ भीतर से हिल रहा है। सिंधिया खेमे को लगता है कि पार्टी में उन्हें वह आज़ादी नहीं मिल रही, जो कांग्रेस में थी, और उनके समर्थक अपनी नाराज़गी दिखा रहे हैं।

यह मामला अब सोशल मीडिया तक पहुँच गया है। भाजपा नेता आपस में भिड़ने लगे हैं, तोमर समर्थक सोनू मंगल और सिंधिया समर्थक दिनेश शर्मा के बीच ज़बानी जंग जारी है। ग्वालियर की राजनीति में यह विभाजन अब खुलकर भगवा खेमे को चीर रहा है।

सलुम्बर में दूषित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने पर हरकत में आए विद्यालय प्रशासन ने बच्चों को चिकित्सालय पहुंचाया। इधर सूचना मिलने पर थानाधिकारी कूण निलेश ने मौके पर पहुंच कर उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इस पर लसाड़िया थानाधिकारी हर्षराज भी मौके पर पहुंचे। इसके अलावा, सलूम्बर कलक्टर अवेधश मीणा, एडीएम राजलक्ष्मी गहलोत, एसडीएम लसाड़िया धमेन्द्र वर्मा तथा रसद विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सभी बीमार छात्रों को सीएचसी लसाड़िया में भर्ती करवाया है। अब उनकी हालत ठीक बताई जा रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908